सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
YouTube
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 1, अंक 69, नई दिल्ली, शुक्रवार, 06 जनवरी 2023, पेज 8

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

03 डीटीसी की बस में लड़की के सामने शख्स ने की गंदी हरकत
05 बाइक से लंबी राइड पर जा रहे हैं तो इन बातों का ध्यान रखें
08 अब समुंद्र में भी गरजेगा राफेल, कांपेगा चीन, पाकिस्तान होगा ढेर

आज का सुविचार

ज़िन्दगी बदलने के लिए
लड़ना पड़ता है,
आसान करने के लिए
समझना पड़ता।।

दिसंबर में दिल्ली में बिके 16.8 फीसदी इलेक्ट्रिक वाहन

राज्यों में सर्वाधिक, बिक्री में 141 फीसदी बढ़त

7 अगस्त 2020 को लॉन्च दिल्ली ईवी नीति में दोपहिया और तीन पहिया वाहनों को को विशेष प्राथमिकता दी गई।

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली में दिसंबर 2022 में कुल वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का 16.8 फीसदी योगदान रहा। किसी भी महीने में यह देश के किसी भी राज्य में अब तक का सर्वाधिक योगदान है। 2022 में पिछले साल की तुलना में बिक्री में 86 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी दर्ज के साथ 7,046 इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत किए।

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने जानकारी देते हुए बताया कि 7 अगस्त 2020 को लॉन्च दिल्ली ईवी नीति में दोपहिया और तीन पहिया वाहनों को को विशेष प्राथमिकता दी गई। दिल्ली ईवी नीति का लक्ष्य इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से प्रोत्साहित करना है। इसके तहत 2024 तक बिकने वाले सभी नए वाहनों में 25 फीसदी ईवी की हिस्सेदारी शामिल है।

फरवरी 2021 में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने में इलेक्ट्रिक वाहनों के फायदों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए स्विच दिल्ली अभियान शुरू किया था। दिसंबर महीने में ईवी की बिक्री के साथ दिल्ली अपने लक्ष्य का दो-तिहाई हासिल करने के अपने मिशन के करीब है।

बिक्री में 141 फीसदी की बढ़ोतरी

परिवहन मंत्री ने ई वाहनों की बिक्री के आंकड़े को साझा करते हुए कहा कि ईवी नीति के लॉन्च होने के बाद से दिल्ली में 31 दिसंबर 2022 तक 93,239 इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत किए गए हैं। इनमें से 5189 वाहन (7 अगस्त से 31 दिसंबर 2020) के दौरान पंजीकृत किए गए। 2021 में 25,809 जबकि 2022 में 62,241 इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत किए गए। 2022 में ईवी की बिक्री में 2021 की तुलना में 141 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अगर देश भर में 2022 में कुल बिकने वाले वाहनों से ईवी की तुलना की जाए तो 4.73 फीसदी है। इस दौरान देश में कुल 10.03 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री हुई। इस दौरान दिल्ली में बिके कुल वाहनों में ई वाहनों का योगदान 10.24 रहा जो किसी भी राज्यों की तुलना में सर्वाधिक है।

ईवी में हाई स्पीड दो पहिया वाहनों का 55 फीसदी योगदान

परिवहन मंत्री ने बताया कि दोपहिया ई वाहनों की बिक्री में दिल्ली में उछाल देखा गया है। 2021 में 29 फीसदी की तुलना में 2022 में हाई स्पीड दो पहिया वाहनों का योगदान करीब 55 फीसदी रहा। इस दौरान ई-रिक्शा, इलेक्ट्रिक ऑटो और मालवाहकों का बिक्री में 35 फीसदी योगदान रहा। 4 पहिया वाहनों में निजी कारों का पंजीकरण वाणिज्यिक कैब की तुलना में अधिक रही। इस दौरान 399 बसों के पंजीकरण के साथ ई बसों का 0.6 फीसदी का योगदान रहा। पिछले साल जून में ई-साइकिलों को प्रोत्साहित करने के लिए योजना की घोषणा के बाद से दिल्ली में पहले ही 500 से अधिक ई-साइकिल बिक चुके हैं।

वाहनों की खरीद पर दी गई 130 करोड़ रुपये की सब्सिडी

इलेक्ट्रिक वाहनों पर रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में छूट और वाहनों की खरीद पर मिलने वाली सब्सिडी के कारण दोपहिया और तीन पहिया वाहनों की बिक्री में तेजी आई है। दिल्ली सरकार अब तक ई वाहनों की खरीद पर 130 करोड़ रुपये की सब्सिडी दे चुकी है।

सिंगल विंडो से ईवी चार्जर लगवाने में बढ़ी सहूलियतें

घरों, अर्ध-सार्वजनिक स्थानों और निजी प्रतिष्ठानों पर ईवी चार्जर लगवाने के लिए सिंगल विंडो की शुरुआत से भी सहूलियतें काफी बढ़ी हैं। महिलाओं को ईवी क्रांति में सबसे आगे लाने के लिए 4261 ई-ऑटो परमिटों में से 33 परमिट आरक्षित किए गए।

1500 करोड़ की लागत से 56 बस डिपो का होगा विद्युतीकरण

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्लीवासियों ने दिल्ली को देश की ईवी राजधानी बनने में अग्रिम भूमिका निभाई है। इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ने के साथ दिल्ली में 2300 से अधिक चार्जिंग पॉइंट और 200 से अधिक बैटरी स्वैपिंग स्टेशन हैं। डीटीएल टेंडर के तहत 100 साइटों पर 11 पहले से ही चालू है जबकि शेष मार्च तक शुरू हो जाएंगे। दिल्ली में ई वाहनों को करीब 2 रुपये प्रति यूनिट की दर से वाहनों को चार्ज किया जा सकता है जो देश भर में न्यूनतम है। 2025 तक 10,000 से अधिक बसों के लिए 56 डिपो के विद्युतीकरण पर सरकार 1500 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रही है।

इनसाइड

पुराने शुल्क पर ही होगा व्यावसायिक वाहनों का फिटनेस

गोरखपुर। व्यावसायिक वाहनों की फिटनेस के लिए परिवहन विभाग की तरफ से अर्थदंड बढ़ाया गया था। पिछले दिनों हाईकोर्ट में मामला जाने के बाद विभाग ने अब पुरानी दर से ही शुल्क जामा कराने का निर्णय लिया है। 15 साल पुराने व्यावसायिक वाहन स्वामियों के लिए राहत की खबर है। फिटनेस नहीं कराने वाले व्यावसायिक वाहन स्वामियों पर नए शुल्क के अनुसार प्रतिदिन 50 रुपये का अर्थदंड नहीं लगेगा। परिवहन विभाग ने नई शुल्क व्यवस्था पर रोक लगा दी है। परिवहन विभाग के अनुसार, व्यावसायिक वाहनों की फिटनेस के लिए परिवहन विभाग की तरफ से अर्थदंड बढ़ाया गया था। पिछले दिनों हाईकोर्ट में मामला जाने के बाद विभाग ने अब पुरानी दर से ही शुल्क जामा कराने का निर्णय लिया है। पहले पुराना शुल्क 800 रुपये था, वहीं नई दर के हिसाब से 50 रुपये प्रतिदिन का अर्थदंड लगाया जा रहा था। नए आदेश के अनुसार, 15 साल पुराने व्यावसायिक वाहनों के लिए नया आदेश है कि 50 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से अर्थदंड नहीं लिया जाएगा। आरआई राघव कुशवाहा ने बताया कि अब व्यावसायिक वाहन स्वामियों से पुरानी दर से ही अर्थदंड लिया जा रहा है।

चारधाम यात्रा में इस बार नहीं होगी बसों की किल्लत

परिवहन निगम चलाएगा विशेष बसें

एनटीवी संवाददाता

देहरादून। निजी कंपनियों की बसों से चारधाम यात्रा जाना खासा महंगा पड़ता है। रोडवेज की बसों को लेकर हमेशा मारामारी रहती है लेकिन पर्याप्त बसें न होने की वजह से श्रद्धालुओं को महंगी यात्रा करनी पड़ती है। रोडवेज की विशेष बसें संचालित होने के बाद यात्रियों को अपेक्षाकृत सस्ता सफर करने का मौका मिलेगा। चारधाम यात्रा में इस बार परिवहन निगम विशेष बस सेवा चलाएगा। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। परिवहन निगम ने बसों के अनुबंध की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। हर साल चारधाम यात्रा के दौरान निजी बसों का बोलबाला होता है। रोडवेज बस सेवा तो चलाता है लेकिन बसों की किल्लत होने की वजह से यह प्रभावी नहीं हो पाती।

अगर कुछ रूटों से हटाकर बसें चारधाम यात्रा मार्गों पर चलाई जाती हैं तो उन रूटों पर सवारियों को परेशानी आने लगती है। परिवहन विभाग ने इस बार इस समस्या के समाधान के लिए विशेष योजना बनाई है। मई में होने वाली चारधाम यात्रा के लिए परिवहन निगम को विशेष बस सेवा शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। यह ऐसी बसें होंगी जो परिवहन निगम अनुबंधित करेगा और यात्रा खत्म होने के बाद निगम इन बसों को पहाड़ के अन्य रूटों पर संचालित करेगा।

यात्रियों को मिलेगी सस्ती बस सेवा

निजी कंपनियों की बसों से चारधाम यात्रा जाना खासा महंगा पड़ता है। रोडवेज की बसों को लेकर हमेशा मारामारी रहती है लेकिन पर्याप्त बसें न होने की वजह से श्रद्धालुओं को महंगी यात्रा करनी पड़ती है। रोडवेज की विशेष बसें संचालित होने के बाद यात्रियों को अपेक्षाकृत सस्ता सफर करने का मौका मिलेगा।

परिवहन निगम ने शुरू की अनुबंध प्रक्रिया

परिवहन निगम ने बसों के अनुबंध की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, प्राइवेट बसों को परिवहन निगम अनुबंध पर ले रहा है। इन बसों का संचालन ही विशेष बस के रूप में किया जाएगा।

IGI एयरपोर्ट पर T-1 से निकलकर मेट्रो स्टेशन पहुंचना हुआ आसान, नया सबवे खुला

एनटीवी संवाददाता

नईदिल्ली: आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 से निकलकर मजेंटा लाइन के डोमेस्टिक एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने के लिए यात्रियों को अब किसी से पूछताछ करके मेट्रो स्टेशन का पता लगाने और सामान लेकर 250-300 मीटर दूर मेट्रो स्टेशन तक पैदल चलकर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यात्री जैसे ही एराइवल गेट से बाहर निकलेंगे, उन्हें मेट्रो स्टेशन पहुंचने का रास्ता सामने ही नजर आ जाएगा। डीएमआरसी ने यहां नया सब-वे बनाया है, जिसे बुधवार से यात्रियों के इस्तेमाल के लिए खोल दिया गया है। अब इस सब-वे से होते हुए लोग सीधे मेट्रो स्टेशन में प्रवेश कर सकेंगे। सब-वे का एंट्री गेट एराइवल गेट से चंद कदमों की दूरी पर ही बनाया गया है, जो बाहर निकलते ही यात्रियों को नजर आ जाएगा। मेट्रो से टी-1 जा रहे यात्रियों को भी अब स्टेशन से निकलकर डिपार्चर गेट तक जाने में आसानी हो जाएगी। डीएमआरसी के प्रिंसिपल एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर अनुज दयाल ने बताया कि 130 मीटर लंबा यह नया अंडरग्राउंड सब-वे एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 और मजेंटा लाइन के आईजीआई डोमेस्टिक एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन के बीच की कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाएगा। बुधवार को डीएमआरसी के मैनेजिंग डायरेक्टर विकास कुमार की मौजूदगी में इस नए सब-वे को औपचारिक तौर पर यात्रियों के इस्तेमाल के लिए खोला गया। सब-वे के एंट्री/एग्जिट पर सीढ़ियों के बगल में दो एस्केलेटर्स और दो लिफ्ट भी लगाई गई हैं। चूंकि एयरपोर्ट पर यात्री काफी सारा सामान लेकर आते जाते हैं, इसे देखते हुए यहां सामान्य लिफ्टों के मुकाबले ज्यादा क्षमता वाली लिफ्टें लगाई गई हैं, जो एक बार में ही एक साथ 26 लोगों को ले जा सकती है। सबवे में एलईडी लाइटिंग की व्यवस्था की गई है और इसे सुंदर बनाने के लिए कई तरह के आर्ट वर्क भी इसमें लगाए गए हैं।

मेट्रो के अधिकारियों ने बताया कि पहले एराइवल गेट से निकलकर यात्रियों को करीब 250-300 मीटर पैदल चलकर मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 3 तक जाना पड़ता था और वहां से स्टेशन में प्रवेश करना पड़ता था। इसके लिए बीच में एक रोड भी क्रॉस करनी पड़ती थी, जिससे काफी दिक्कत होती थी। अब सर्दी, गर्मी या बारिश, किसी भी मौसम में यात्रियों को सामान लेकर खुले आसमान के नीचे पैदल चलकर मेट्रो स्टेशन तक जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एरावइल गेट से बाहर निकलते ही चंद कदमों की दूरी पर सब-वे का प्रवेश द्वार है, जहां से सब-वे में एंट्री करके लोग सीधे मेट्रो स्टेशन पहुंच सकेंगे। हालांकि, यह सब-वे बहुत पहले खुल जाना चाहिए था, लेकिन कोविड की वजह से मेट्रो परियोजनाओं पर जो असर पड़ा, उसके चलते इस सब-वे का काम भी डिले हो गया।

वित्त विभाग का मानना था कि गाड़ियां बहुत महंगी हैं। परिवहन विभाग ने सभी आपत्तियों का जवाब दे दिया है।

मंत्रियों-अफसरों के लिए नई गाड़ियों की खरीद का कैबिनेट में आएगा प्रस्ताव

एनटीवी संवाददाता

देहरादून। वित्त और परिवहन के बीच संयुक्त बैठक होने जा रही है। इस बैठक में नए वाहनों की खरीद को लेकर विचार किया जाएगा। सरकार वाहन खरीद के लिए बीच का रास्ता निकालेगी।

मंत्रियों और अफसरों के लिए नई गाड़ियों की खरीद का प्रस्ताव कैबिनेट बैठक में लाया जाएगा। इसके लिए जल्द ही वित्त और परिवहन विभाग की संयुक्त बैठक होने जा रही है। पिछले दिनों परिवहन विभाग ने मंत्रियों, अफसरों के लिए नई गाड़ियों के खरीद का प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजा था। वित्त ने आपत्तियां लगाकर इसे लौटा दिया था।

वित्त विभाग का मानना था कि गाड़ियां बहुत महंगी हैं। परिवहन विभाग ने सभी आपत्तियों का जवाब दे दिया है। प्रस्ताव अभी भी वित्त विभाग में है। इस बीच वित्त और परिवहन के बीच संयुक्त बैठक होने जा रही है। इस बैठक में नए वाहनों की खरीद को लेकर विचार किया जाएगा। सरकार वाहन खरीद के लिए बीच का रास्ता निकालेगी।

इसके बाद एक प्रस्ताव कैबिनेट बैठक में लाया जाएगा। परिवहन सचिव अरविंद सिंह ह्यांकी ने बताया कि नई गाड़ियों की खरीद मामले में जल्द ही वित्त विभाग के साथ बैठक होगी। बैठक के बाद इसका प्रस्ताव कैबिनेट में आएगा। गौरतलब है कि प्रदेश में 2016 में वाहन खरीद की नीति बनी थी। अभी यही नीति चल रही है।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

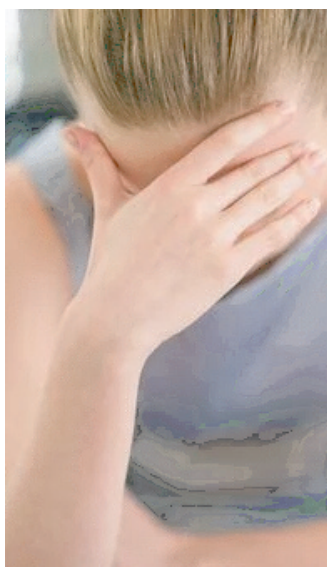

गृहणियों में बढ़ रहा है मेंटल स्ट्रेस, एक्सपर्ट्स ने बताया खुश रहने का तरीका

बाहर जा कर काम करने वाली महिलाओं के पास फिर भी बाहर जाकर अपनी बात कहने का या मूड बदलने का एक ऑप्शन होता है, लेकिन हाउसवाइफ के साथ ऐसा नहीं है. ऐसे में वो घर में ही गुस्से में, द्वंद्व में, झुंझलाहट में या चिंता में पड़ी रहती हैं.

पूरे घर को संभालने वाली (गृहणी/हाउसवाइफ) हमारी मां या पत्नी घर के हर एक सदस्य की जरूरत का ख्याल रखती हैं. उनका पूरा दिन घर की चार दीवारी में ही शुरू होता है और उसी में खत्म हो जाता है. सुबह से रात तक उनकी यही कोशिश रहती है कि किसी भी सदस्य को घर में कई तकलीफ न हो. ये सब वो किसके लिए करतीं हैं? अपने परिवार के लिए, परिवार की खुशियों के लिए. फिर जब कभी वो जरा गुस्सा हो जाती हैं, तो हम उन्हें गलत समझने लगते हैं. लेकिन क्या कभी सोचा है कि वो भी कितनी तरह के तनाव से जूझ रही है? उनकी मेंटल हेल्थ के बारे में कभी बात की है? ओनली माई हेल्थ की न्यूज रिपोर्ट के अनुसार, बाहर जा कर काम करने वाली महिलाओं के पास फिर भी बाहर जाकर अपनी बात कहने का या मूड बदलने का एक ऑप्शन होता है, लेकिन हाउसवाइफ के साथ ऐसा नहीं है. ऐसे में वो घर में ही गुस्से में, द्वंद्व में, झुंझलाहट में या चिंता में पड़ी रहती हैं. इस रिपोर्ट में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट (Clinical Psychologist) डॉ. प्रज्ञा मलिका (Dr. Pragya Malika) का कहना है कि हाउसवाइफ में तनाव कई वजहों से होता है. ऐसी स्थिति में वे अकेले रहने लग जाती हैं. परिवार में जब कॉन्फ्लिक्ट्स (झगड़े और विवाद) बढ़ते हैं तो वे एडजस्टमेंट की ओर जाते हैं. जब ये मुद्दे हल नहीं हो पाते तो सुसाइड, तलाक या अन्य मेंटल डिसऑर्डर (Mental Disorder) में बदल जाते हैं. इसे ही दुष्चक्र या विशियस साइकल (Vicious Cycle) कहते हैं. डॉ. प्रज्ञा के मुताबिक हाउसवाइफ इन तरीकों को अपनाकर खुश रह सकती हैं.

अपनी हॉबीज को करें याद

डॉ प्रज्ञा का कहना है कि अक्सर महिलाएं घर के काम में उलझकर अपनी हॉबीज (शौक) को भूल जाती हैं. जब ये निराशा या कुंठा बढ़ने लग जाए, तो अपने हुनर को याद करें. वो काम जिसे आप पूरे मजे के साथ करते थे, वो दोबारा करें. खुद सोचें कि आपको क्या करने में अच्छा लगता है. ऐसा करने से आत्मविश्वास बढ़ेगा.

परेशानी का कारण ढूंढे

डॉ. प्रज्ञा के मुताबिक हाउसवाइफ को ये देखना पड़ेगा कि उन्हें परेशानी किस बात से हो रही है. जब परेशानी की वजह मालूम हो जाए, तब उस पर काम करें. उस परेशानी को मैनेज करें. दरअसल, महिलाओं की टेंशन की एक वजह ये भी है कि महिला और पुरुष का दिमाग थोड़ा अलग तरह से काम करता है. जैसे महिलाएं इमोशनल होकर सोचती हैं और पुरुष लॉजिस्टिक तरीके से सोचते हैं.

नए दोस्त बनाएं

हाउसवाइफ अपने स्ट्रेस को कम करने के लिए नए दोस्त बना सकती हैं. अपने घर के आसपास, रिश्तेदारों में या स्कूल-कॉलेज के दोस्तों के संपर्क में रहें और उनसे बात करते रहना भी कई बार इस स्ट्रेस से निकलने में मदद करता है.

अपने लिए टाइम निकालें

एक हाउसवाइफ होने के नाते आप क्या चाहती हैं? हाउसवाइफ होने के नाते आपके कुछ सपने होते हैं. तो यहां उन्हें सोचने की जरूरत है कि आप क्या चाहती हैं. खुद को खुश रखने के लिए अपना मी टाइम निकालें.

कुछ चीजों को हालात पर छोड़ दें

डॉ. प्रज्ञा का कहना है कि जिस सिचुएशन में आप कुछ कर नहीं सकतीं. जो हालात आपके बस से बाहर हैं, तो उन पर न सोचें.

आजादी और आध्यात्मिकता से जीवन हुआ आसान

महिलाओं में बढ़ा 'हैप्पीनेस लेवल'

स्टडी में सामने आया कि कम उम्र की युवतियां अपनी लाइफ से ज्यादा संतुष्ट हैं.

अब महिलाओं को मामूली बातों, जैसे क्या पहनना है, क्या खाना है, कैसे बैठना या उठना है, इसके लिए किसी की इजाजत लेने की जरूरत नहीं है. आजादी महिलाओं को खुशी दे रही है.

एक ताजा सर्वे में पता चला है कि कुछ दशक पहले की महिलाओं की तुलना में आज की युवतियां ज्यादा खुश रहने लगी हैं और ये बदलाव उनमें अपनी लाइफ से जुड़ा हर फैसला लेने की उनकी बड़ी हुई क्षमता की वजह से है. दैनिक भास्कर अखबार में छपी न्यूज रिपोर्ट के अनुसार अब उन्हें मामूली बातों, जैसे क्या पहनना है, क्या खाना है, कैसे बैठना या उठना है, इसके लिए किसी की इजाजत लेने की जरूरत नहीं है. वो अपने फैसले खुद ले सकती है. इसमें आध्यात्मिकता भी एक वजह है जो महिलाओं के 'लेवल ऑफ हैप्पीनेस (Level of Happiness)' को बढ़ा रही है.

इस रिपोर्ट के अनुसार, पुणे के रिसर्च सेंटर 'दृष्टि स्त्री अध्ययन प्रोबधन केंद्र (DSAPK)' ने देश के 29 राज्यों की 43 हजार से ज्यादा महिलाओं से उनकी खुशी को लेकर सवाल किए. इन महिलाओं की उम्र 18 साल से लेकर 70 साल के बीच की थी.

सर्वे में क्या निकला?

सर्वे में महिलाओं के साथ बातचीत में सामने आया कि कम उम्र की युवतियां अपनी लाइफ से ज्यादा संतुष्ट हैं. 18 से 40 साल के बीच की कम से कम 80 प्रतिशत प्रतिभागियों ने खुद को खुश बताया. इनमें से ज्यादातर महिलाएं आध्यात्म से भी जुड़ी हुई थीं, यानी पूजा-पाठ या किसी तरह का मेडिटेशन जैसी एक्टिविटी से वो जुड़ी हुई थीं.

आजादी महिलाओं को खुशी दे रही

आपको बता दें कि भारत के अलावा दूसरे देशों में भी महिलाओं में हैप्पीनेस के लेवल को समझने के लिए स्टडी हुई है. यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया द्वारा की गई ऐसी ही एक स्टडी के लिए डे रिकंस्ट्रक्शन मेथड (Day Reconstruction Method) की मदद ली गई, जिससे ये समझने की कोशिश थी कि एक दिन में महिलाओं के इमोशंस में कितना उतार-चढ़ाव आता है. इसके नतीजों के अनुसार आजादी महिलाओं को खुशी दे रही है.

पुरुषों के मुकाबले बेटर हैंडलर

इस स्टडी में ये भी पाया गया कि फिट रहना भी महिलाओं को ज्यादा खुश रखता है. अध्ययन के मुताबिक एक्सरसाइज करना महिलाओं को उनकी सैलरी मिलने जैसी खुशी देता है. सर्वे में एक चौंकाने वाली बात ये भी सामने आई कि अगर महिला और पुरुष को एक जैसी परेशानी दी गई, तो महिला उसे ज्यादा आसानी से डील करती है.

ये लक्षण बताते हैं महिलाओं में दिल की बीमारी

कार्डियो वेस्कुकर डिजीज यानी सीवीडी की रोकथाम के बारे में महिलाओं जागरूकता की कमी है. खानपान और लाइफस्टाइल सही नहीं होने से महिलाओं में इस बीमारी का खतरा बढ़ जाता है. औरतें जिस तनाव का अनुभव करती हैं, अक्सर उनपर आसपास के लोगों द्वारा ध्यान नहीं दिया जाता है.

दिल की बीमारी के लक्षण महिलाओं (Women) में उतने स्पष्ट रूप से नहीं नजर आते हैं, जितने पुरुषों में आते हैं. इसका मतलब यह है कि अगर पुरुषों में को दिल की समस्या होती है, तो एनजाइना जैसे विशिष्ट लक्षण दिख सकते हैं. जिन्हें आसानी से देखा जा सकता है और सही इलाज और देखभाल शुरू हो सकती है. वहीं महिला में यह समस्या होती है कोई लक्षण नहीं हो दिखते हैं. फिर जब तक बीमारी (Illness) का पता चलता है, ये इतनी गंभीर हो जाती है कि हर तीन में से एक महिला की मौत हृदय रोग के कारण हो जाती है.

जागरूकता की कमी

कार्डियो वेस्कुकर डिजीज यानी सीवीडी की रोकथाम के बारे में महिलाओं जागरूकता की कमी है. खानपान और लाइफस्टाइल सही नहीं होने से महिलाओं में इस बीमारी का खतरा बढ़ जाता है. औरतें जिस तनाव का अनुभव करती हैं, अक्सर उनपर आसपास के लोगों द्वारा ध्यान नहीं दिया जाता है. इस कारण भी महिलाओं में पुरुषों की अपेक्षा सीवीडी का खतरा बढ़ जाता है. तनाव के साथ, आहार की मात्रा और गुणवत्ता जैसे अन्य कारक भी प्रभाव डालते हैं. इसके अलावा जिन महिलाओं में पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम पीसीओएस, प्रीक्लेम्पसिया, प्रेगनेंसी के दौरान हाई ब्लड प्रेशर और सुगर होती है. उनको हार्ट को लेकर सजग रहना चाहिए.

नियमित जांच

महिलाओं में हृदय स्वास्थ्य लिए नियमित रूप से जांच जरूर करानी चाहिए. कोई लक्षण स्पष्ट रूप से हो या नहीं यह महत्वपूर्ण है कि जोखिम का आकलन करने के लिए नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच करवाएं. अगर सही समय पर बीमारी का पता चलता है तो महिलाओं में सीवीडी की बेहतर रोकथाम हो सकती है.

इन बातों का रखें ध्यान

जब हार्ट से जुड़ी बीमारी के बारे में पता करना मुश्किल हो, तो ऐसे में अपनी डाइट और लाइफस्टाइल को सही रखें महिलाएं अपने खाने में हृदय को स्वस्थ रखने वाली चीजों को शामिल करें जैसे फल सब्जियां, और जिन चीजों में फाइबर ज्यादा हो. उन्हें जरूर अपने आहार में शामिल करें तनाव से दूर रहें.

साफ सफाई से सुधर सकती है महिलाओं की मानसिक सेहतः रिसर्च

शोध में पाया गया है कि सफाई (**Cleanliness**) आपके मानसिक स्वास्थ्य पर कई सकारात्मक प्रभाव डाल सकती है. अलमारियों पर जमी धूल, किचन को पोंछना या कमरे को व्यवस्थित करना मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद साबित हुए हैं. ये काम मानसिक स्वास्थ्य के लिए उतना ही फायदेमंद है, जितना मेडिटेशन या योग है. तो अगली बार जब तनाव हो तो घर की सफाई करने से मत कतराइयेगा.

तनाव से निपटने के कुछ लोग योग, माइंडफुलनेस या यहां तक कि स्पा में मालिश लेते हैं ताकि तनाव कम हो. वहीं एक वर्ग ऐसा भी है जो अलमारियों पर जमी धूल, किचन को पोंछना या कमरे को व्यवस्थित करते हैं. ये काम उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए उतना ही फायदेमंद है, जितना लोगों के लिए मेडिटेशन या योग है. तो अगली बार जब तनाव हो तो घर की सफाई करने से मत कतराइयेगा. कुछ लोगों को साफ-सुथरा और व्यवस्थित घर तनावमुक्त करने में मदद करता है. सफाई आपके मानसिक स्वास्थ्य कैसे असर करते है आइये जानते हैं.

अव्यवस्था अवसाद में योगदान कर सकती है

"व्यक्तित्व और सामाजिक मनोविज्ञान बुलेटिन" में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया कि जिन महिलाओं ने अपने रहने की जगह को अव्यवस्थित रखा, उनमें तनाव अधिक पाया गया. शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि जिन महिलाओं का घर अस्त-व्यस्त रहता है, उनमें कोर्टिसोल का स्तर अधिक होता है. वहीं व्यवस्थित महिलाओं में तनाव कम मिला. इसलिए जरूरी है की घर को व्यवस्थित करना शुरू कर दें.

सफाई और सेहत

शोध में पाया गया है कि सफाई आपके मानसिक स्वास्थ्य पर कई सकारात्मक प्रभाव डाल सकती है. यह मूड में सुधार के साथ-साथ उपलब्धि और संतुष्टि की भावना प्रदान करने के लिए भी है.ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से सफाई आपको तनावमुक्त करने में मदद कर सकती है. तो अपने घर या ऑफिस की डेस्क को साफ करके देखिये तनाव छू मंतर होगा. इसके साथ ही थोड़ी शारीरिक मेहनत भी हो जाएगी जो आपको फिट रखने में मदद करेगी.

इस बात का रखें ध्यान

सफाई करना अच्छी बात है मगर ये हद से ज्यादा नहीं होनी चाहिए. कई बार लोग सफाई में इतने ज्यादा आदी हो जातें हैं की दूसरों के घरों में भी डस्टिंग करने लगते हैं. ऐसी अवस्था से बचें.

अपनी बेटियों को करें प्रोत्साहित आत्मविश्वास भरना बेहद आवश्यक

आप आप एक बेटी के माता-पिता हैं तो ये बिलकुल भी ना सोचें कि वो एक बेटी होने के नाते जीवनभर संघर्ष करेगी। आप उसकी किसी ताकत या कमजोरी की धारणा बिलकुल ना बनाएं। उसकी खूबियों को प्रोत्साहित करने के साथ उसकी कमजोरियों को भी समय पर पहचानें और उसे सुधारने की कोशिश करें।

कहते हैं कि बेटियां अपने माता-पिता के लिए बेहद ख़ास होती हैं। जितनी वो खास होती हैं उतनी ही ख़ास उनकी देखभाल भी होती है। जैसे-जैसे बेटियां बड़ी होती जाती हैं, वैसे-वैसे उनके प्रति माता-पिता की जिम्मेदारी भी बढ़ती जाती है। बात अगर पुराने जमाने की करें तो पहले घर-परिवार में बेटियों के पैदा होने पर उन्हें शगुन और साक्षात देवी लक्ष्मी का रूप माना जाता था। लेकिन आज के समय में भी बेटियां अपने आत्मविश्वास से ऊंचे से ऊंचा आसमान छूने की प्रतिभा रखती हैं। आज के समय में उनका दर्जा लड़कों से कम नहीं है। ये सब कुछ उनके माता-पिता की परवरिश का नतीजा होता है, जिससे उनका सिर गर्व से ऊपर उठता है। बहुत से माता-पिता होते हैं जो अपने बच्चों की तरक्की देखना चाहते हैं। वो चाहते हैं कि उनकी बेटी हर दिशा में आगे बढ़े, चाहे वो कोई भी काम क्यों ना हो। यदि आप के घर में भी बेटी है तो आज का ये लेख खास आपके लिए है, जिसके जरिये हम आपको बताएंगे कि कैसे आप उसकी सही तरीके से परवरिश करें जिससे वो आत्मविश्वास से भरी रहे। तो चलिए फिर शुरू करते हैं।

1. बेटी को करें प्रोत्साहित– जब बेटी बड़ी होती है, तो उसकी जरूरतें भी अल्फ होती चली जाती हैं। आप उसे जमीन से जुड़े रहना सिखाएं। अगर वो आगे बढ़ाने के लिए अपने भविष्य को लेकर कुछ चुनाव करती है तो उसे हताश ना करें। उसका साथ दें। एक बच्चे के लिए उसके माता-पिता का साथ बेहद जरूरी होता है। आप उसे प्रोत्साहित करें। ताकि उसके अंदर का आत्मविश्वास कम ना हो।

2. बेटी की करें तारीफ– आप अपनी बेटी को बताएं की वो दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की है। उसके अंदर कोई भी कमी नहीं है। उकसे अंदर ऐसी बात है जो उसे बाकियों से जुदा बनाती है। इससे बिटिया का आत्मविश्वास और भी बढ़ेगा।

3. सीखने का दें अवसर– अगर बेटी को संगीत या किसी भी तरह की एक्टिविटी में इन्ट्रेस्ट हैं लेकिन वो इन में फिट नहीं बैठते। ऐसे में अगर आप उसका साथ नहीं देंगे तो उसका मनोबल टूटता चला जाएगा। उसे सीखने का अवसर जरुर दें। उसे अपनी असल प्रतिभा धीरे-धीरे खुद समझ आएगी और वो आगे बढ़ेगी।

4. बेटी को सिखाएं समाजिकता– बेटी को समाज और उससे जुड़ी बातों के बारे में सिखाएं। उसे सिखाएं कि अगर उससे कोई दोस्ती नहीं करता तो उसका क्या कारण हो सकता है। समाज के प्रति उसके अंदर नकारात्मकता ना भरें। वरना एक समय के बाद वो समाज को नकारात्मक नजरिये से देखने लगेगी। उसे सभी पहलुओं के बारे में जरुर सिखाएं।

5. बढ़ाएं बेटी की क्षमता– अगर आपकी बेटी अपना होमवर्क कर रही है तो यूं ही उसकी मदद ना करें। वो जब तक आपसे मदद नहीं मांगती तब तक उसकी मदद मत करें। उसे उसकी क्षमता के अनुसार काम करने दें। उसे अपने दम में हमेशा आगे बढ़ने के लिए ही प्रोत्साहित करें।

6.ना थोपें अपनी मर्जी– आज के समय में बेटियां स्पोर्ट्स को ज्यादा पसंद कर रही हैं, और उसी में अपना भविष्य भी तय कर रही हैं। अगर वो एक जिमनास्टिक बनना चाहती है या फुटबॉल खेलना चाहती है तो उसे आगे बढ़ने दें, ना की अपना फैसला या अपनी चाह उसपर थोपें। आप ये जरुर पता लगा सकते हैं, कि वो किस खेल को खेलने के लिए ज्यादा सक्षम है। आप खुद उसके लिए कोई खेल तय ना करें।

7. मत बनाइए कमजोर– आप आप एक बेटी के माता-पिता हैं तो ये बिलकुल भी ना सोचें कि वो एक बेटी होने के नाते जीवनभर संघर्ष करेगी। आप उसकी किसी ताकत या कमजोरी की धारणा बिलकुल ना बनाएं। उसकी खूबियों को प्रोत्साहित करने के साथ उसकी कमजोरियों को भी समय पर पहचानें और उसे सुधारने की कोशिश करें।

8. सेक्सिज्म के लिए करें तैयार– बहुत लोगों की सोच है कि बेटियां वो काम नहीं कर सकती जो बेटे कर सकते हैं। अगर आप अपनी बेटी को वो टीवी शो या फ़िल्में देखते हुए नोटिस करते हैं जो पूरी गर्ल्स पर आधारित होती है तो उसे समझिये और उसे सेक्सिज्म के लिए तैयार करें।

9. बेटी को दिखाएं रोल मॉडल– अक्सर ऐसा होता है जब भी आप कोई न्यूज़ देखते या पढ़ते हैं तो उसमें आपको कई महिलाएं सीनेटरी, खिलाड़ी, चिकित्सक या एथलीट दिखेंगी। ये अच्छा तरीका होता है अपनी बेटी को इन महिलाओं के बारे में दिखाना और समझाना। आप इम्नें से कोई भी अपनी बेटी के लिए रोल मॉडल चुनने में उसकी मदद कर सकते हैं।

तो ये कुछ ऐसी खास टिप्स हैं, जिनकी मदद से आप अपनी बिटिया को अच्छी परवरिश देने के साथ उसमें आत्मविश्वास भर सकते हैं। अगर आपकी भी बेटी है तो आप हमारी बताई हुई टिप्स को जरुर आजमाएं। आपको इससे बेहतर परिणाम मिलेगा।

इनसाइड

जल बोर्ड की आर्थिक स्थिती पर BJP ने लगाए AAP पर आरोप, बिधूड़ी बोले- LG जारी करे श्वेत पत्र

Delhi BJP ने आरोप लगाया है कि AAP सरकार की नाकामी से दिल्ली जल बोर्ड दिवालिया होने वाला है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने LG से दिल्ली जल बोर्ड की स्थिति पर श्वेत पत्र लाने की मांग की है।

नई दिल्ली। भाजपा ने आरोप लगाया है कि दिल्ली सरकार की नाकामी से दिल्ली जल बोर्ड दिवालिया होने के कगार पर आ गया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने उपराज्यपाल से दिल्ली जल बोर्ड की स्थिति पर श्वेत पत्र लाने की मांग की है जिससे कि सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जल बोर्ड के चेयरमैन हैं। उनके पास वित्त विभाग भी है।

उपमुख्यमंत्री से मांगा इस्तीफा

आम आदमी पार्टी (AAP) के विधायकों का आरोप है कि विकास कार्य के लिए वित्त विभाग जल बोर्ड को धन नहीं दे रहा है। इसकी जिम्मेदारी लेते हुए उपमुख्यमंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि पिछले छह माह से दिल्ली में पाइप लाइन व सीवर लाइन बिछाने का काम बंद है। यमुना सफाई का काम भी ठप है। जल बोर्ड के कर्मचारियों को नौकरी से हटाया जा रहा है।

सौरभ भारद्वाज को लेकर क्या बोले बिधूड़ी?

साथ ही बिधूड़ी ने कहा कि बोर्ड के अधिकारी और जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सौरभ भारद्वाज भी इस बात को स्वीकार कर रहे हैं। बोर्ड 58 हजार करोड़ रुपये के घाटे में चल रहा है। कई बार पत्र लिखने के बाद भी वर्ष 2016 से आज तक जल बोर्ड के खातों की कैग से जांच नहीं कराई गई है, क्योंकि इससे घोटाला सामने आ जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री दिल्लीवासियों को निश्शुल्क पेयजल देने का दावा करते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि लोगों के घरों में भारी-भरकम बिल भेजे जा रहे हैं।

ज्यादा बिल भेजना एक घोटाल है- विधायक महाजन

विधायक जितेंद्र महाजन ने कहा कि उपभोक्ताओं को ज्यादा बिल भेजना एक घोटाला है। जल बोर्ड के खिलाफ एफआइआर दर्ज होनी चाहिए। दो माह पहले तक शून्य बिल वाले उपभोक्ताओं को 20-25 हजार रुपये के बिल भेजे जा रहे हैं।

संजय सिंह बोले- नहीं संभलती तो केजरीवाल को दें कानून व्यवस्था

नई दिल्ली दिल्ली के सुल्तानपुरी में हुए सड़क हादसे में युवती की मौत के मामले को लेकर आम आदमी पार्टी और भाजपा आमने-सामने आ गई है। दोनों पार्टियों के नेता एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। आप कार्यकर्ता प्रदर्शन कर आरोपितों की सजा दिलाने की मांग कर रहे हैं। इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार से कहा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था की हालत बिगड़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर केंद्रीय गृह मंत्रालय दिल्ली की कानून व्यवस्था नहीं संभाल पा रहा है तो दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को यह जिम्मेदारी सौंप लें।वह दिल्ली की कानून व्यवस्था भी सुधार कर दिखा देंगे। संजय सिंह ने बुधवार को प्रेसवार्ता कर यह बातें कही।

एयर इंडिया के एक और विमान में शर्मसार करने वाली हरकत, नशे में युवक ने महिला यात्री के कंबल पर किया पेशाब

इस घटना की जानकारी प्लेन के पायलट ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (IGI) हवाई अड्डे पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल को बताई

एनटीवी संवाददाता

नशे की हालत में एक यात्री ने अपनी सह यात्री महिला के कंबल पर कथित तौर पर पेशाब कर दिया था। साथ ही यात्री फ्लाइट में किसी की बात भी नहीं सुन रहा था। इसके बाद उसने लिखित तौर पर माफी भी मांगी।

नई दिल्ली। न्यूयॉर्क-दिल्ली एयर इंडिया के विमान में 26 नवंबर की हुई घटना के बाद एक बार फिर चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दरअसल, पेरिस-दिल्ली सेक्टर में शराब के नशे में एक यात्री ने कथित तौर पर एक महिला के कंबल पर पेशाब कर दिया। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि इस मामले को लेकर आरोपी द्वारा लिखित माफी मांगने के बाद कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

लिखित रूप में मांगी माफी

यह घटना 6 दिसंबर को एयर इंडिया 142 फ्लाइट में हुई थी। इस घटना की जानकारी प्लेन के पायलट ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (IGI) हवाई अड्डे पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल को बताई। इसके बाद आरोपी को पकड़ लिया गया था। लेकिन उसने लिखित रूप से माफी मांग ली थी जिसके बाद उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। हालांकि, इस बात का पता नहीं लग पाया है कि वे दोनों यात्री किस क्लास में सफर कर रहे थे।

हवाई अड्डे के अधिकारियों ने समाचार एजेंसी को बताया कि विमान 6 दिसंबर की सुबह 9.40 पर दिल्ली में उतरा। इसके पहले ही आईजीआई एयरपोर्ट के सुरक्षा अधिकारियों को इस बात की जानकारी दे दी गई थी कि पुरुष यात्री शराब के नशे में था और वह केबिन क्रू के निर्देशों का पालन नहीं कर रहा था और उसके बाद एक महिला यात्री के कंबल पर पेशाब भी कर दिया है।

पुलिस बल ने एयरपोर्ट पर उतरते ही पकड़ा

पुरुष यात्री को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) ने विमान से उतरते ही पकड़ लिया था, लेकिन बाद में दोनों यात्रियों के ₹आपसी समझौता₹ के बाद उसे छोड़ने की अनुमति दी गई। आरोपी ने महिला और फ्लाइट के सभी अधिकारियों से अपनी हरकत के लिए लिखित माफी भी मांगी। महिला यात्री ने भी पुलिस मामला दर्ज करने से इनकार कर दिया और इसलिए यात्री को किसी भी प्रकार के दंडनात्मक मुआवजा नहीं देना पड़ा।

पहले भी हुई है ऐसी घटना

यह घटना 26 नवंबर के हादसे के ठीक एक हफ्ते बाद आई है, जहां एक व्यक्ति ने न्यूयॉर्क-दिल्ली एयर इंडिया की उड़ान में एक महिला सह-यात्री पर कथित तौर पर पेशाब किया था। पीड़िता द्वारा एयर इंडिया को दी गई शिकायत के आधार पर दिल्ली पुलिस ने अब नवंबर की घटना में एक प्राथमिकी दर्ज की है और आरोपियों को पकड़ने के लिए कई टीमों का गठन किया है।

डीटीसी की बस में लड़की के सामने शख्स ने की गंदी हरकत, शोर मचाने पर मार्शल ने धर दबोचा

रोहिणी इलाके में आरोपित ने मंगलवार को डीटीसी बस में कथित तौर पर मास्टरबेट किया और जब लड़की ने शोर मचाया तो बस में तैनात मार्शल ने उसे पकड़ लिया। पकड़े जाने के बाद आरोपित रोने लगा।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के रोहिणी इलाके से एक शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां डीटीसी की बस में लड़की के सामने एक शख्स ने कथित तौर पर मास्टरबेट किया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

डीटीसी मार्शल ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में आरोप लगाया है कि बस में एक व्यक्ति ने लड़की के सामने मास्टरबेट किया। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, आरोपित को गिरफ्तार नहीं किया गया, क्योंकि अभी तक इस संबंध में कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है।

पकड़े जाने पर रोने लगा शख्स

वायरल वीडियो के अनुसार, आरोपित ने मंगलवार को डीटीसी बस में कथित तौर पर मास्टरबेट किया और जब लड़की ने शोर मचाया तो बस में तैनात मार्शल संदीप चकरा ने उसे पकड़ लिया। पकड़े जाने के बाद वीडियो में आरोपित रोता नजर आया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपित बिहार का रहने वाला है। उसे घटना के बाद पुलिस को सौंपा गया था, लेकिन उसे गिरफ्तार नहीं किया गया, क्योंकि अभी तक कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

लड़की ने बयान देने से किया इनकार

अधिकारी ने बताया कि बुधवार को घटना की जानकारी मिलने के बाद उत्तरी रोहिणी पुलिस थाने के उप निरीक्षक सुमन के नेतृत्व में घटना की जांच शुरू की गई है। पुलिस ने कहा कि पीड़िता से उसका बयान दर्ज कराने और इस संबंध में कोई शिकायत देने के लिए संपर्क किया गया था, लेकिन उसने ऐसा करने से इनकार कर दिया। पुलिस का कहना है कि भविष्य में अगर कथित घटना के संबंध में कोई शिकायत मिलती है तो कानून की उचित धाराओं के तहत आरोपित के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

तिहाड़ के शीर्ष अधिकारियों ने जेल में बंद मंत्री सत्येंद्र जैन पर डराने-धमकाने का लगाया आरोप: सूत्र

तिहाड़ जेल के शीर्ष अधिकारियों ने मंत्री सत्येंद्र जैन पर उन्हें धमकाने आरोप लगाया है और उनके खिलाफ शिकायत महानिदेशक (जेल) से की है। मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में पिछले साल प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद से जैन जेल में हैं।

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल के शीर्ष अधिकारियों ने मंत्री सत्येंद्र जैन पर उन्हें धमकाने आरोप लगाया है और उनके खिलाफ शिकायत महानिदेशक (जेल) से की है। इस बात की जानकारी गुरुवार को सूत्रों ने दी है।

मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में पिछले साल प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद से जैन जेल में हैं। जेल के अंदर उनकी मालिश करने और आगंतुकों से मिलने के कथित वीडियो को लेकर विपक्ष ने हंगामा खड़ा कर दिया था और उन्हें मंत्रिमंडल से हटाने की मांग की थी।

सूत्रों ने कहा कि अतिरिक्त महानिरीक्षक - जेल (तिहाड़ जेल), जेल नंबर 07 (SCJ-7) के अधीक्षक, उप अधीक्षक, सहायक अधीक्षक और विधि अधिकारी ने महानिदेशक (जेल) से शिकायत की कि जैन उनके साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं और जेल से बाहर आने पर उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दे रहे हैं।

एक सूत्र ने कहा, जैन इन अधिकारियों और अन्य लोगों को मालिश, भव्य भोजन और अन्य वीआईपी उपचारों की सुविधाओं का लाभ उठाने से रोकने की कोशिश के लिए खुलेआम डराता-धमकाता रहा है, जो हाल ही में सामने आया था। 8 दिसंबर को एक रिपोर्ट में जैन के खिलाफ दो अधिकारियों ने शिकायत की।

अभी 4 दिन और पुलिस कस्टडी में रहेंगे सभी आरोपित, रोहिणी कोर्ट ने रिमांड बढ़ाई

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के कंझावला इलाके में घटी घटना को लेकर पूरे देश में आक्रोश है। इस केस के आरोपितों की रोहिणी कोर्ट में पेशी हुई है। कोर्ट ने आरोपितों की पुलिस रिमांड 4 दिन और बढ़ा दी है।इस मामले को लेकर रोहिणी कोर्ट में सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई।

मामले को लेकर में पहले पुलिस की ओर से आरोपितों की 5 दिन की रिमांड की मांग की गई थी। लेकिन पुलिस को 3 ही दिन की रिमांड मिली थी। अब कोर्ट ने 4 दिन की रिमांड और बढ़ा दी है। दरअसल, पुलिस की आरोपितों से पूछताछ फिलहाल खत्म नहीं हुई है। इसलिए पुलिस ने रिमांड बढ़ाने की मांग की थी।

इस मामले को लेकर रोहिणी कोर्ट में आरोपितों की सुनवाई हुई है। कोर्ट सभी आरोपितों की रिमांड एक बार फिर बढ़ा दी है। इस केस पर अब DCP की देखरेख में SIT काम करेने वाली है। मामले को लेकर अभी और नए खुलासे हो सकते है।

कंझावला केस पर निधि की मां का बयान- बहुत घबराई हुई थी मेरी बेटी, गलत बोल रही मृतका की मां

कंझावला मामले में मारी गई अंजलि की दोस्त निधि की मां का बयान सामने आया है। निधि की मां ने बताया कि मेरी बेटी ने उस रात एक्सीडेंट के बारे में जानकारी दी थी। वह बहुत घबराई हुई थी।

नई दिल्ली। नव वर्ष पर दिल्ली के सुल्तानपुरी थाना क्षेत्र में 20 वर्षीय अंजलि को बलेनो कार सवार पांच युवकों द्वारा कई किलोमीटर तक घसीटकर मार डालने की दर्दनाक घटना को लेकर राजधानी सहित देशभर में आक्रोश है। मामले के पांच दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस सच की तलाश कर रही है। पुलिस मामले में हादसे के वक्त मृतका अंजलि के साथ मौजूद रही सहेली निधि की भूमिका संदिग्ध मान रही है।

उस लड़की को मारा गया है

पुलिस को निधि के बयान और सीसीटीवी फुटेज व अन्य चश्मदीद के बयान में एकरुपता नहीं मिली है। ताजा मामले में चश्मदीद निधि की मां सुदेश ने मीडिया से बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने कहा, ₹निधि घटना की रात 3 बजे घर आई थी। वो बहुत ज्यादा घबराई हुई थी। अंजलि(मृतका) की मां गलत बोल रही हैं। निधि ने बताया था कि बहुत तगड़ा एक्सीडेंट हुआ है। उस लड़की को मारा गया है। वो लड़के निधि के ऊपर भी गाड़ी चला रहे थे।

दिल्ली पुलिस के स्पेशल सीपी सागर प्रीत हुड्डा ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया, ₹आरोपित और अंजलि की पुरानी पहचान की कोई जानकारी नहीं मिली है। हम मामले में दो अन्य आरोपितों को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रहे हैं। हम जल्द से जल्द चार्जशीट फाइल करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि आरोपितों को कड़ी से कड़ी सजा मिल सके। हमने चश्मदीद गवाह का बयान दर्ज किया है। पूछताछ में पता चला कि गाड़ी दीपक नहीं अमित चला रहा था। पोस्टमॉर्टम के दौरान यौन शोषण का कोई सबूत नहीं मिला है।

उन्होंने आगे कहा, हमारी 18 टीम इसमें काम कर रही हैं। हमने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में हमें पता लगा है कि इसमें 2 और लोग आशुतोष व अंकुश खन्ना शामिल हैं। हमारी टीम छापेमारी कर रही है। दो अन्य आरोपितों ने सबूतों से छेड़छाड़ करने की कोशिश की है और आरोपितों की मदद करने की कोशिश करते हुए गलत जानकारी दी है। सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

हीं, मृतका के परिवार और स्थानीय लोग मृतका को न्याय दिलाने की मांग को लेकर स्थानीय थाने पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए मौके पर भारी पुलिसबल तैनात है।

कैमरे में पहली बार दिखे आरोपित, निधि के घर पर प्रदर्शन; पुलिसबल तैनात

Kanjhawala Death Case मामले को लेकर एक नया सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। यह वीडियो घटना के बाद का है। इस वीडियो में आरोपित कार से उतरते हुए नजर आ रहे है। मामले को लेकर अंजलि के परिजनों ने आरोपितों को फांसी की सजा देने की मांग की है।

नई दिल्ली। कंझावला हिट एंड रन मामले को लेकर एक नया सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इस फुटेज में आरोपित कैमरे में दिखाई दे रहे हैं। वारदात के दिन सुबह 4 बजकर 33 मिनट पर आरोपित सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए।

इस वीडियो में आरोपितों को बलेनो गाड़ी से उतरते हुए देखा जा सकता है। कंझावला में मृतका को कार के नीचे से हटाने के बाद सभी आरोपित रोहिणी सेक्टर-1 पहुंचे जहां उन्होंने कार के मालिक आशुतोष को कार सौंपी। बता दें कि नए साल के जश्न के बाद दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके में 20 वर्षीय अंजलि को बलेनो कार से आरोपितों ने टक्कर मारी, इसके बाद आरोपित अंजलि को करीब 12 किलोमीटर तक घसीटते रहे। इसी केस को लेकर अब आरोपितों का नया सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।

अंजलि के परिजनों ने किया विरोध प्रदर्शन

गुरुवार को सुल्तानपुरी पुलिस स्टेशन और निधि के घर के बाहर अंजलि के परिजनों और पड़ोसियों ने विरोध प्रदर्शन किया है। इस प्रदर्शन में आरोपितों को फांसी देने की मांग उठाई जा रही है। इस विरोध प्रदर्शन से इलाके में ट्रैफिक जाम भी हो गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपितों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पांचों को फांसी पर लटकाने की मांग की है। इस दौरान प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह कोई दुर्घटना नहीं है। यह जानबूझकर किया गया है और घटना को हत्या की तरह ही माना जाना चाहिए।

भारी पुलिसबल तैनात

प्रदर्शन को देखते हुए निधि के घर पर पुलिसबल तैनात हो गया है। पुलिस प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश में जुट गई है।

योगी आदित्यनाथ के बहनोई का निधन, गाजियाबाद के यशोदा अस्पताल में हुए थे भर्ती

सुबह उनके शव को अंतिम संस्कार के लिए दिल्ली स्थित निगम बोध घाट ले जाया गया है। राजेंद्र सिंह चौधरी राजनगर एक्सटेंशन की घरौंदा एमजीआई सोसायटी में परिवार के साथ रहते थे। ब्रेन स्टोक होने पर 1 जनवरी को कौशांबी स्थित यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बहनोई राजेंद्र सिंह चौधरी (67) का बुधवार देर रात निधन हो गया। सुबह उनके शव को अंतिम संस्कार के लिए दिल्ली स्थित निगम बोध घाट ले जाया गया है। राजेंद्र सिंह चौधरी राजनगर एक्सटेंशन की घरौंदा एमजीआई सोसायटी में परिवार के साथ रहते थे।

वेंटिलेटर पर चिकित्सकों की निगरानी में थे

ब्रेन स्टोक होने पर एक जनवरी 2023 को सुबह 8:30 बजे उनको उपचार के लिए कौशांबी स्थित यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मिली जानकारी के अनुसार न्यूरो फिजिशियन डॉ. सुमंतो चटर्जी और फिजिशियन डा. अंशुमन त्यागी, कार्डियोलोजिस्ट डा. धीरेंद्र सिघानिया के निगरानी में उनका उपचार किया। बुधवार शाम 5:30 बजे ब्रेन डेड होने पर उनको अस्पताल से घर भेज दिया गया था, वह घर में वेंटिलेटर पर चिकित्सकों की निगरानी में थे। रात 1:50 बजे उनका निधन हो गया। सूचना पर जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह, बुलंदशहर के जिलाधिकारी सीपी सिंह, यमुना प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र कुमार सिंह, एसडीएम सदर विनय कुमार सिंह, यशोदा अस्पताल कौशांबी के चेयरमैन डा. पीएन आरोडा, डा. सुनील डागर सहित अन्य लोग उनके शव को अंतिम संस्कार के लिए निगम बोध घाट ले गए हैं। जहां दोपहर को उनका अंतिम संस्कार किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुंबई में होने के कारण निगम बोध घाट नहीं पहुंच सके, वह जल्द ही राजनगर एक्सटेंशन स्थित बहन के आवास पर संवेदना व्यक्त करने आ सकते हैं।

एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार कैंटर ने बाइक में मारी टक्कर, दो की मौत

एनटीवी न्यूज

आशंका है कि कैंटर चालक तेज रफ्तार में रहा होगा है बोटेलनेक के कारण डिवाइडर से टक्कर से बचने के लिए उसने तेजी से वाहन मोड़ा तो उसकी बाइक से टक्कर हो गई।

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-141 स्थित एडवांट टावर के पास बुधवार रात नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर एक तेज रफ्तार कैंटर ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं दो लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एक्सप्रेस-वे कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामले की जांच जारी है। फिरोजाबाद के शोभित, भावना, सोनू व कौशलेंद्र उर्फ कौशल बरौला गांव में किराये के मकान में रहते थे। सभी चाई-फाई स्थित ग्रेटर नोएडा के रेस्तरां में काम करते थे। सभी प्लेटिना पर सवार होकर बरौला आ रहे थे। नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर एडवांट के सामने ग्रेटर नोएडा की तरफ से आ रहे एक फर्नीचर से भरे हुए कैंटर ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। जिसमें चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

एंबुलेंस की मदद पहुंचाया गया अस्पताल

सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए सेक्टर-30 स्थित जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे में 19 वर्षीय युवती भावना व 23 वर्षीय शोभित को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शेष अन्य दो घायलों का इलाज शारदा अस्पताल ग्रेटर नोएडा में चल रहा है। कोतवाली प्रभारी सुधीर कुमार का कहना है कि पुलिस ने फर्नीचर से भरा हुए कैंटर को कब्जे में लिया। हादसे के बाद कैंटर चालक फरार हो गया था।

वाहन नंबर के आधार पर कैंटर मालिक से चालक के संबंध में जानकारी की जा रही है। मृतकों के शव का पंचायतनामा भर आवश्यक कार्रवाई जारी है। मृतक शोभित के बडे भाई शिवकुमार की लिखित तहरीर के आधार पर कैंटर चालक के खिलाफ लापरवाही का मुकदमा पंजीकृत कर मामले की जांच की जा रही है। चारों एक ही बाइक पर सवार थे।

बाइक सवार ने हेलमेट भी नहीं पहना था। जिस जगह पर हादसा हुआ थ। वहां अंडरपास निर्माण कार्य के कारण बैरिकेड लगाए गए हैं। इस कारण बोटलनेक की स्थित बनती है। आशंका है कि कैंटर चालक तेज रफ्तार में रहा होगा है बोटेलनेक के कारण डिवाइडर से टक्कर से बचने के लिए उसने तेजी से वाहन मोड़ा तो उसकी बाइक से टक्कर हो गई। शारदा अस्पताल में भर्ती घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

इनसाइड

पत्नी ने भाई के साथ मिलकर पति को पहली मंजिल से फेंका, आई गंभीर चोटें

पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रताप विहार सेक्टर 12 के मनीष वरुण का कहना है कि दो दिसंबर को उनकी पत्नी अर्चना उसका भाई महाराजपुर का भूषण व दो अन्य लोग कार से उनके घर पर पहुंचे और उनके साथ मारपीट की।

गाजियाबाद। विजयनगर थाना क्षेत्र के प्रताप विहार के एक युवक को उनकी पत्नी ने अपने भाई व दो अन्य साथियों के साथ मिलकर जमकर पीटा और पहली मंजिल से नीचे फेंक दिया। पीड़ित के दोनों पैरों में गंभीर चोट आई हैं। पीड़ित ने आरोपितों को नामजद करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रताप विहार सेक्टर 12 के मनीष वरुण का कहना है कि दो दिसंबर को उनकी पत्नी अर्चना, उसका भाई महाराजपुर का भूषण व दो अन्य लोग कार से उनके घर पर पहुंचे और उनके साथ मारपीट की। आरोपितों ने उनपर धारदार हथियार से हमला कर उन्हें पहली मंजिल से नीचे फेंक दिया। इस दौरान पत्नी घर में रखे हुए जेवर व नकदी भी लेकर फरार हो गई। उन्होंने पत्नी व साले को नामजद करते हुए दो अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है। एसीपी कोतवाली अंशु जैन का कहना है कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा सेक्टर 18 में सड़क हादसा, एलिवेटड रोड पर पर पलटी क्रेटा कार; एयरबैग्स ने बचाई जान

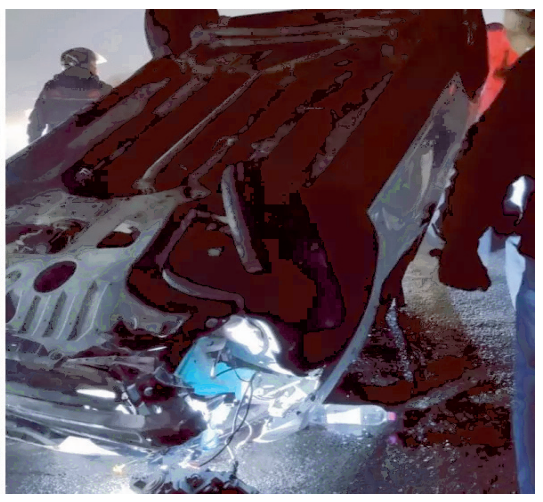

नोएडा। नोएडा सेक्टर-18 अंडरपास से एलिवेटेड पर होकर जा रहे एक कार चालक की आंख पर दूसरी कार की लाइट पड़ने से क्रेटा कार अनियंत्रित होकर पलट गई। गनीमत रही इसमें चालक को चोट नहीं आई। चालक को वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने तुरंत बाहर निकाल लिया और क्रेन के माध्यम से कार को हटवाकर यातायात को भी सामान्य किया गया। इस दौरान करीब 20 मिनट तक यातायात बाधित रहा।

जानें कैसे हुआ एक्सीडेंट

ACP रजनीश वर्मा ने बताया कि फेज तीन कोतवाली क्षेत्र स्थित क्लियो काउंटी सोसायटी में रहने वाले जसमीत बुधवार देर रात सेक्टर-18 अंडरपास से होते हुए एलिवेटेड पर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही एक अन्य कार की रोशनी जसमीत के आंखों में पड़ी जिससे कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। घटना के समय जसमीत ने सीट बेल्ट लगाया हुआ था। घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई।

एयरबैग्स खुलने से बची जान

एक्सीडेंट में कारचालक की जान एयरबैग्स के खुलने से बच गई। एयरबैग्स खुलने के बाद राहगीरों ने चालक को बाहर निकाला। ड्राइवर पूरी तरह से सुरक्षित है और खतरे से बाहर है।

ईकोटेक कोतवाली क्षेत्र के फोम के गोदाम में लगी आग, कोई जनहानि नहीं

नोएडा के ईकोटेक 3 (Ecotech 3) कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत शनि मंदिर के पास बने एक गोदाम में आग लगने की खबर सामने आई है। यह गोदाम फोम रखने के लिए बनाया गया था। मौके पर आग लगती देख लोगों ने दमकल विभाग में सूचना दी।

नोएडा। नोएडा के ईकोटेक 3 (Ecotech 3) कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत शनि मंदिर के पास बने एक गोदाम में आग लगने की खबर सामने आई है। यह गोदाम फोम रखने के लिए बनाया गया था। मौके पर आग लगती देख लोगों ने दमकल विभाग में सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने में लगी। जानकारी के अनुसार आग से फिलहाल कोई जनहानि नहीं हुई है। लेकिन लाखों के समान के नुक्सान की जानकारी मिली है।

थीनर की फैक्ट्री मे भी लगी थी आग

ऐसा ही एक मामला बीते दिन का भी है जब ग्रेटर नॉएडा की एक फैक्ट्री में भी आग लग गई थी। बता दें कि यह आग मंगलवार के दिन में चार बजे सूरजपुर साइड सी स्थित एक फैक्ट्री में लगी थी। बता दें कि यह फैक्ट्री में थीनर बनाने का काम होता था। आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की दो गाड़ियों की लगभग 2 घंटे तक मशक्कत के बाद आग पर काबू आया गया।

लाखों का सामान जल कर हुआ था ख़ाक

बता दें कि इस आग के कारण फैक्ट्री में रखा लाखो रुपयों का सामान जल कर ख़ाक हो गया था। फायर विभाग के अधिकारियों का दावा है कि फैक्ट्री प्रबंधक दिनेश कुमार के पास थिनर बनाने का लाइसेंस नहीं था। साथ ही फायर एनओसी भी नहीं थी। नियमों के तहत आरोपित के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

खाकी पर भारी पड़ रहे हुक्काबार संचालक, कठघरे में पुलिस

पुलिस ने दावा किया था कि संचालक मौके से फरार हो गया। इसी माह में पुलिस ने कौशांबी थाना क्षेत्र के एंजल माल में नो रूल्स रेस्टोरेंट एंड बार में छापामार कर प्रबंधक और कर्मचारियों सहित 50 युवक-युवतियों को पकड़ा था।

गाजियाबाद। जिले में जगह-जगह रेस्टोरेंट, कैफे और बार की आड़ में हुक्काबार चल रहे हैं। पुलिस उनके खिलाफ कार्रवाई भी कर रही है लेकिन उस पर सवाल उठ रहा है। इसका प्रमुख कारण छापामारी के दौरान हुक्काबार के कर्मचारियों और ग्राहकों की गिरफ्तारी और संचालकों का फरार हो जाना है। इससे यह भी साबित हो रहा है कि हुक्काबार संचालकों के हाथ पुलिस से भी लंबे हैं।

दो दारोगाओं सहित 6 पुलिसकर्मियों पर भारी पड़ा संचालक

कौशांबी थाना के पास में एंजल माल है। यह माल नशेबाजी के लिए जिले में ही नहीं बल्कि दिल्ली, नोएडा व आसपास के जिलों में बदनाम है। पुलिस के मुताबिक, कौशांबी पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक अमित सोनी को 30 दिसंबर को सूचना मिली कि एंजल माल के द बंग बंग बार में हुक्काबार चल रहा है। उन्होंने उपनिरीक्षक अंकित श्रीवास्तव, मुख्य आरक्षी विकास कुमार, मुख्य आरक्षी कमल कुमार, मुख्य आरक्षी रंजीत कुमार व आरक्षी प्रह्लाद के साथ उसमें छापा मारा। सूचना सही मिली।

उन्होंने हुक्काबार के दो कर्मचारियों सावन व अरुण को गिरफ्तार कर लिया। संचालक रविंद्र भीड़ का फायदा उठाकर फरार हो गया। इस पर लोगों का कहना है कि हुक्काबार संचालक रविंद्र दो दारोगाओं सहित छह पुलिसकर्मियों पर भारी पड़ा और उन्हें चकमा देकर भाग गया।

पहले भी छापामारी के दौरान नहीं पकड़े गए संचालक

नवंबर 2021 में पुलिस ने इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के मंगल चौक पर गबरू हुक्काबार में छापामार कर कर्मचारियों सहि 15 युवकों को पकड़ा था। पुलिस ने दावा किया था कि संचालक मौके से फरार हो गया। इसी माह में पुलिस ने कौशांबी थाना क्षेत्र के एंजल माल में नो रूल्स रेस्टोरेंट एंड बार में छापामार कर प्रबंधक और कर्मचारियों सहित 50 युवक-युवतियों को पकड़ा था। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान भी संचालक के मौके से फरार हो जाने का दावा किया था।

पुलिस को कठघरे में खड़ा कर रहे लोग ज्यादातर कार्रवाईयों में पुलिस के फरार हो जाने से स्थानीय लोग पुलिस को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। लोग दबी जुबान यह तक कह रहे हैं कि पुलिस जानबूझ कर उन्हें नहीं पकड़ती है। कर्मचारियों को पकड़कर खानापूरी कर देती है।

ट्रांस हिंडन पुलिस उपायुक्त डा. दीक्षा शर्मा ने बताया कि हुक्कबारों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। क्षेत्र में किसी भी कीमत पर इनका संचालन नहीं होने दिया जाएगा। संचालकों व मालिकों के खिलाफ भी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

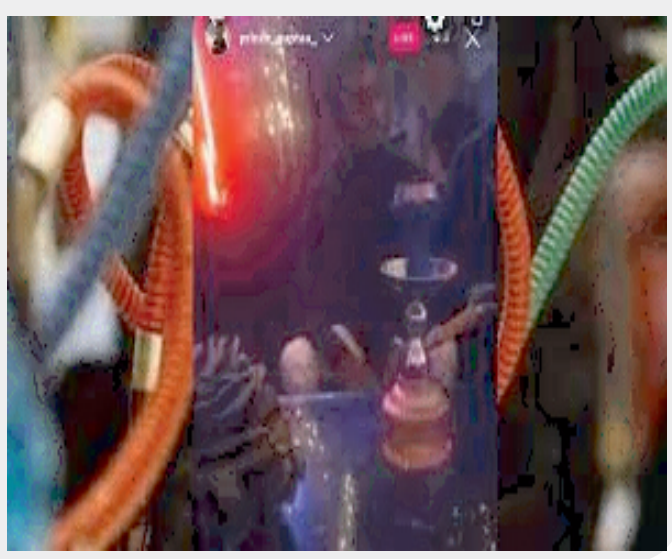

इनसाइड

मात्र 10 लाख रुपये से कम की कीमत में खरीदें दमदार माइलेज वाली डीजल कार

इंडियन मार्केट में डीजल कारों की डिमांड कम नहीं हैंअगर आप अपने लिए एक नई डीजल कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आज हम डीजल गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं।आज हम 10 लाख रुपये से कम की कीमत में आने वाली बाइक्स की लिस्ट लेकर आए हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में पेट्रोल की कीमत बढ़ने के कारण लोग सबसे अधिक सीएनजी कारों की तरफ रुख कर रहे हैं। सीएनजी कारों का फायदा ये होता हैं कि इसमें माइलेज पेट्रोल कारों के मुकाबले 1.5 गुना अधिक मिलता है। लेकिन इसके लिए आपको लंबे समय तक लाइन में लगना पड़ता है, लेकिन इंडियन मार्केट में डीजल कारों की डिमांड कम नहीं हैं, अगर आप अपने लिए एक नई डीजल कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आज हम डीजल गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं।

Tata Nexon

आपको बता दे भारतीय बाजार में टाटा नेक्सॉन पेट्रोल के साथ डीजल इंजन का ऑप्शन का देती है और ये डीजल के साथ इसका सबसे सस्ता वेरिएंट Nexon XM Diesel है। इसकी कीमत 10 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है इसके साथ ही इसका माइलेज 21.19 kmpl तक का है।

Tata Altroz

इस कार में कंपनी ने 1.5 लीटर का डीजल इंजन दिया है। आपको बता दे ये डीजल वेरिएंट के साथ इसका सबसे सस्ता वेरिएंट Altroz XE Plus Diesel है। भारतीय बाजार में इस कार की कीमत 7.90 लाख रुपये है। ये माइलेज 23.03 kmpl का है।

Hyundai i20

भारतीय बाजार में ये सबसे प्रसिद्ध प्रीमियम हैचबैक कार है। इसमें 1.5 लीटर का डीजल इंजन दिया गया है। डीजल का ये सबसे सस्ता वेरिएंट i20 Magna Diesel है और इसकी कीमत 8.43 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। वहीं ये कार माइलेज 25.0 kmpl तक का देती है।

Mahindra XUV300

इंडियन मार्केट में मौजूद ये कार दो टर्बो पेट्रोल के साथ 1.5 लीटर का डीजल इंजन के साथ आती है। डिजल में ये सबसा सस्ता वेरिएंट XUV300 W4 है।जिसकी कीमत 9.60 लाख रुपये है। ये 20.1 kmpl का माइलेज भी देती है।

Kia Sonet

किआ ने समय से पहले ही लोगों के बीच में काफी प्रसिद्ध हो गई है।डिजाल का सबसे सस्ता वेरिएंट Sonet 1.5 HTE Diesel है। इंडियन मार्केट में इस कार की कीमत 9.05 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। माइलेज की बात करें तो ये 24.1kmpl तक का माइलेज देता है।

हाइब्रिड कारें कर देंगी आपकी पेट्रोल और डीजल की टेंशन को गो गो गॉन

भारतीय बाजार में पेट्रोल डीजल की कीमतें आसमान छू रही है।आजकल लोगों के पास पेट्रोल डीजल के आलावा इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड एक अच्छा ऑप्सन बनकर उभर रहा है। आप अपने लिए हाइब्रिड कार लेने की सोच रहे हैं तो आज हम आपके लिए इन गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं।

सके कारण लोगों को जेब पर अच्छा खासा असर पड़ता है। इसके कारण लोग इलेक्ट्रिक वाहन या हाइब्रिड गाड़ियों को अपनी पसंद की लिस्ट में लेकर आ रहे है।

Toyota Urban Cruiser Hyryder

कंपनी ने इस कार को कुल दो वेरिएंट में पेश किया है। जिसमे से एक 1.5L माइल्ड-हाइब्रिड पेट्रोल इंजन और एक 1.5L मजबूत हाइब्रिड पेट्रोल इंजन शामिल है। आपको बता दे मजबूत हाइब्रिड इंजन 115 bhp की पावर जनरेट करता है। इसका पीक टॉक आउटपुट 141 nm का है। वहीं इसका इंजन एक e-drive ट्रांसमिशन से लैस है। इसके दोनों मोटर मिलाकर 85 किलोवाट का आउटपुट जनरेट करता है। इसकी शुरुआती कीमत 15.11 लाख से 18.99 लाख रुपये तक है।

Maruti Suzuki Grand Vitara

ये टोयोटा अर्बन क्रूजर के तरह ही है। इसमें भी आपको दो पेट्रोल इंजन का ऑप्शन मिलता है। जिसमें एख माइल्ड हाइब्रिड यूनिट और दूसरी 1.5L मजबूत हाइब्रिड है। कंपनी दावा करती है कि ये कार माइलेज 27.97 kmpl का देती है। लोग इस कार को जमकर खरीद रहे है। इसके टॉप स्पेक मॉडल की कीमत 19.65 लाख रुपये तक जाती है।

Honda City Hybrid e:HEV

कंपनी ये दावा करती हैं कि ये कार माइलेज 26.5 kmpl का देती है। वहीं इसमें 1.5 लीटर का हाइब्रिड पावरट्रेन है जो 126 पीएस की पावर और 253 nm का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इसके साथ ही कंपनी ने इस कार में एक eCVT गियरबॉक्स दिया है। इसकी कीमत 19.49 लाख रुपये है।

इस सर्दी के कहर में बाइक से लंबी राइड पर जा रहे हैं तो इन बातों का ध्यान रखें

हल्की ठंड अब दस्तक दे चुकी है। इस समय अगर आप अपनी बाइक से लंबी राइड पर जा रहे हैं तो आपको कई बातों का ख्याल रखना चाहिए ताकि आपकी बीच रास्ते में किसी भी परेशानी का सामना ना करना पड़े।

नई दिल्ली। अब हल्की थंड ने दस्तक दे दिया है। ऐसे में अगर आप बाइक चलाने के शौकीन हैं तो आपको ठंड में कुछ खास बातों का ख्याल रखना चाहिए ताकि आपको किसी भी परेशानी का सामना ना करना पड़े। सर्दियों में खराब मौसम की वजह से राइडिग में कई दिक्कतें आ सकती है। इससे दुर्घटना होवे की संभावना भी अधिक बढ़ जाती है। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे जिसे जानकर आप ठंड में राइड का मजा ले सकते हैं।

थर्मल गारमेंट्स

जब ठड़ी आप बाइक से राइड करने निकले तो ठंड के मौसम में आपके पास थर्मल गारमेंट्स यानि ऐसे कपड़े जो आपके शरीर के हिस्सों में हवा ना जाने दे और आपको थंडी हवा से बचा कर रखें। इस समय पर आप अपनी बाइक की स्पीड का भी खास ख्याल रखें, बाइक तेज स्पीड में होती हैं तो आपको ठंड लग सकती है। इसलिए हमेशा स्पीड का ख्याल जरूर रखें।

क्या आपकी बाइक भी है इन सेफ्टी फीचर्स से लैस

पहले से ज्यादा सेफ हो जाएगी आपकी बाइक ! इन हाईटेक तरीकों से सुरक्षित होगा सफर

गर्म चीजें अपने साथ रखें

अगर आप ठंड में बाइक चलाना पसंद करते हैं तो आपको कई बातो का ख्याल रखना चाहिए अगर आप अधिक दूरी के लिए जा रहे हैं तो बीच -बीच में बाइक रोक कर कुछ गर्म चीज खा पी ले ताकि आपकी बाड़ी को हीट मिलती रही और आप आराम से लंबे दबरी का सफर तय कर ले।

इंडिकेटर, हेडलाइट पहले से रखें ठीक

संबे राइड पर जाने से पहले बाइक का इंडिकेटर, हेडलाइट और बैक लाइट को चेक कर लेना चाहिए ताकि आप पहले से ही बाइक को दुरुस्त कर ले। सर्दियों में ये सब चीजें सामने देखने में काफी मदद करती है। इससे आप होने वाले एक्सीडेंट से बच सकते है।

बाइक की बैटरी और इंजन का रखें ख्याल

सर्दी के मौसम में बाइक के बैटरी पर भी खास असर देखने को मिलता है। इसलिए समय के साथ साथ बैटरी का भी ख्याल रखना चाहिए । इसके साथ ही इंजन की भी देखरेख आपको करते रहना चाहिए क्योंकि बिना इंजन बाइक अधूरी है।

भारतीय बाजार में मौजूद हैं ये धांसू सीएनजी गाड़ियां

भारतीय बाजार में पेट्रोल डीजल की कीमत काफी तेजी से बढ़ते जा रही है।आज के समय में सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहन एक बेहतर विकल्प बनते जा रहे हैं।आप अपने लिए एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आज हम सीएनजी गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में आज के समय में एक से बढ़कर एक सीएनजी गाड़ियां मौजूद है। जिससे आपके पास एक बेहतर ऑप्शन है। वहीं पेट्रोल डीजल की कीमत बढ़ने के कारण लोगों के लिए सीएनजी आज एक बेहतर विकल्प बनकर उभर रहा है।आज हम आपके लिए सीएनजी गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए है।

Maruti Suzuki Alto S-CNG

मारुति सुजुकी ऑल्टो 800 एस - सीएनजी भारतीय बाजार में सबसे सस्ती कार है। वर्तमान में इस कार में कंपनी फिटेड सीएनजी किट के साथ आ रही है।आपको बता दे आल्टो एलएक्सआई (ओ) वेरिएंट के साथ पेश की गई है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 5.03 लाख रुपये है। ये 796 सीसी पेट्रोल इंजन सीएनजी मोड में 40 एचपी और एनएम का पीक टॉर्क बनाती है। इसे 5 स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ -जोड़ा गया है।

Maruti Suzuki S - Presso S- CNG

भारतीय बाजार में मारुति एस -प्रेसो के दो वेरिएंट - एलएक्सआई और वीएक्सआई के साथ ऑप्शनल सीएनजी किट प्रदान करती है। इसकी कीमत 5.90 लाख रुपये और 6.10 लाख रुपये है। इसमें सीएनजी किट के साथ 1.0लीटर तीन सिलेंडर इंजन मिलता है। जो 56 हॉर्स पावर और 8.21 एनएम टॉर्क जनरेट करती है।

Tata Tiago iCNG

टाटा मोटर्स ने जनवरी 2022 में टियागो और टिगोर सब 4 मीटर आईसीएनजी वेरिएंट को पेश किया है। इसके लिए आपको 6.30 लाख रुपये देने होगे। कंपनी ने टाटा टियागो सीएनजी को कुल चार वेरिएंट्स - XE, XM, XT, और XZ है। सीएनजी स्पेक में 1.2 लीटर तीन सिलेंडर रेवोट्रॉन पेट्रोल इंजन 73 एचपी और 95 एनएम जनरेट करती है। ये 5 एमटी के साथ आती है।

श्रद्धा का मकडज़ाल

पी के खुराना

ऐसे बाबाओं की प्रसिद्धि में चिकित्सा व्यवसाय में प्रचलित उक्ति 'प्लैसीबो इफैक्ट' की भी बड़ी भूमिका है। उदाहरणार्थ किसी व्यक्ति की बीमारी प्रकृति प्रदत्त कारणों से या दवाइयों से ठीक हो गई लेकिन उसका श्रेय बाबाजी को मिल गया। प्रसिद्धिप्राप्त ऐसे किसी बाबा के शिष्यों की संख्या जब बढ़ जाती है तो वोट के खरीददार राजनीतिज्ञ उनके सामने शीश नवाने चले आते हैं।

यह धर्म-भीरुता बहुत खतरनाक है जो अंततः सिर्फ अपराध को ही बढ़ाने के काम आएगी। ऐसे बाबाओं के खिलाफ जब कानूनी कार्रवाई होने लगती है तो अक्सर बड़ी संख्या में उनके भक्त कानून और प्रशासन के विरोध में सडक़ों पर उतर आते हैं, रास्ते जाम करते हैं, तोडफोड़ करते हैं और धन-संपत्ति का नुकसान करने या हिंसा फैलाने से भी गुरेज नहीं करते। यह हमारे समाज की कमजोरी है। हमें खुद इससे उबरना होगा और जनता में जागृति पैदा करनी होगी। इसके लिए सामाजिक व्यवस्था को दुरुस्त करना, न्याय को सस्ता और साध्य बनाना भी आवश्यक है वरना बहुत से भोले-भाले लोग ठग बाबाओं के षड्यंत्रों का शिकार होते रहेंगे'

यह दुनिया सतरंगी है, हर तरह के लोगों से मिलकर बनी है। कुछ लोग बहुत अच्छे हैं और कुछ लोग बहुत अच्छे के वेष में हैं। ऐसे लोगों में संत कहलाने वाले लोगों की भी कमी नहीं है। सतलोक आश्रम के स्वयंभू मुखिया और खुद को कबीर का अवतार बताने वाले रामपाल, बापू के नाम से प्रसिद्ध आसाराम, डेरा सच्चा सौदा के मुखिया गुरमीत राम रहीम के बारे में कुछ भी कहने की आवश्यकता नहीं है। पंजाब के नूरमहल में स्थित दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के मुखिया आशुतोष की मृत्यु पर उनके उत्तराधिकारियों ने उन्हें 'समाधि में लीन' बताना आरंभ कर दिया। इस दौरान आश्रम व आश्रम की संपत्ति पर नियंत्रण को लेकर अदालत में मुकद्दमे भी आए, इसी से पता चलता है कि समाधि में लीन बताने की असलियत क्या है। जरूरी नहीं है कि ऐसे किसी आश्रम अथवा संस्थान से जुड़ा हर व्यक्ति पाखंडीस, झूठा या फरेबी हो, पर यह अवश्य हो सकता है कि वह श्रद्धावश सच्चाई को समझने की कोशिश ही न कर रहा हो। स्वर्गीय फिल्म अभिनेता विनोद खन्ना ने 12 वर्ष ओशो के आश्रम में काटे और फिर मोहभंग होने पर वापस फिल्मी दुनिया में लौट आए। ऐसा नहीं है कि ओशो विद्वान नहीं थे। उनके तर्क अकाट्य होते थे और वे मौलिक सोच के मालिक थे, लेकिन उनके जीवन के आखिरी कुछ वर्ष उनकी व्यक्तिगत असलियत बताने के लिए काफी थे। ओशो के अतिरिक्त बाल ब्रह्मचारी, साईं बाबा, निर्मल बाबा आदि को लेकर समय-समय पर विवाद होते रहे हैं, फिर भी देश में बाबाओं की संख्या और विवाद बढ़ते जा रहे हैं।

वस्तुतः हमारे देश में 'गॉड इंडस्ट्री' खूब फल-फूल रही है। सवाल यह है कि ऐसा क्यों है? इसके

कई कारण हैं। हमारे समाज में दलितों का शोषण एक आम बात है। उनकी बड़ी संख्या गरीबी, अशिक्षा और अभावों से भरपूर है। ऐसे लोगों को अध्यात्म के नाम पर फुसलाना कदरन आसान होता है। बाबाओं को दूसरा लाभ यह है कि बड़े पदों पर बैठे तथा समाज में प्रभाव रखने वाले कुछ लोग भी जब उनके शिष्य बन जाते हैं तो वे उनके माध्यम से अन्य शिष्यों के काम करवाना आरंभ कर देते हैं। शक्तिसंपन्न लोग ऐसा श्रद्धावश करते हैं और जिनका काम हो जाता है वे इसे 'गुरुजी का प्रसाद' और 'भगवद्कृपा' मानने लग जाते हैं, बिना यह समझे कि यह मात्र सांसारिक 'नेटवर्किंग' का कमाल है। ज्योतिषियों और बाबाओं का एक दूसरा वर्ग आभिजात्य वर्ग वाला भी है जो स्वयं पढ़े-लिखे हैं, अंग्रेजी में प्रवचन देते हैं और उद्योगपतियों, नौकरशाहों तथा बड़े राजनीतिज्ञों को 'आध्यात्मिक शांति' प्रदान करते हैं। उनके शिष्यों में इतने प्रभावशाली लोग होते हैं कि वे देश की नीतियों तक में परिवर्तन कर सकते हैं। यह भी सांसारिक नेटवर्किंग का ही उदाहरण है। अंधश्रद्धा के इस सिलसिले में पढ़े-लिखे और बुद्धिजीवी माने जाने वाले लोगों का भी जमघट इसलिए शामिल हो जाता है क्योंकि अक्सर उनका पेशेवर जीवन अत्यंत तनावपूर्ण होता है और इससे मुक्ति के लिए किसी गुरू की शरण में जाकर वे रीचार्ज हो जाते हैं और नई शक्ति के साथ अपने काम पर वापस लौटते हैं। ऐसे बाबाओं के शिष्य समाज के किसी भी वर्ग से हों, जब किसी एक भक्त का कोई काम हो जाता है तो वह श्रद्धावश बाबाजी की प्रशंसा के गीत गाने लग जाता है और उसे देख-देखकर शेष लोग भी बाबा जी के शिष्य बनने लगते हैं और बाबा जी का रुतबा बढ़ता चला जाता है।

ऐसे बाबाओं की प्रसिद्धि में चिकित्सा व्यवसाय में प्रचलित उक्ति 'प्लैसीबो इफैक्ट' की भी बड़ी भूमिका है। उदाहरणार्थ किसी व्यक्ति की बीमारी प्रकृति प्रदत्त कारणों से या दवाइयों से ठीक हो गई लेकिन उसका श्रेय बाबाजी को मिल गया। प्रसिद्धिप्राप्त ऐसे किसी बाबा के शिष्यों की संख्या जब बढ़ जाती है तो वोट के खरीददार राजनीतिज्ञ उनके सामने शीश नवाने चले आते हैं। राजनीतिज्ञों का समर्थन पाकर ये बाबा लोग और भी निरंकुश हो जाते हैं। कुछ सत्ता के दलाल बन जाते हैं और अपने हित में सत्ता का दुरुपयोग करने लगते हैं। आज ऐसे बाबाओं की कमी नहीं है जो हजारों करोड़ का व्यवसाय करते हैं। अक्सर हम इन संतों के विवादित आचरण से दो-चार होते रहते हैं, परंतु धर्मभीरू भारतीय इन पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देते। वोट लेने के लिए लगभग हर राजनीतिक दल के नेता इन बाबाओं की शरण में जाते रहते हैं। कांग्रेस, भाजपा, आम आदमी पार्टी आदि में से कोई भी इसका अपवाद नहीं है। यही बाबा जी अगर कानून के शिकंजे में आ जाएं तो सारे राजनीतिज्ञ उनसे पल्ला झाड़ लेते हैं। खेद का विषय यह है कि इन बाबाओं के बड़े-बड़े आश्रमों का जब अवैध निर्माण हो रहा होता है तो पुलिस, प्रशासन, राजनेता और मीडिया में से कोई भी शोर नहीं मचाता, उनकी पोल नहीं खोलता, उन पर कार्रवाई की मांग नहीं करता। उससे भी ज्यादा आश्चर्य का विषय है कि ये बाबा लोग अपनी निजी 'सेनाएं' बना लेते हैं, तब भी इनका विरोध नहीं होता और कोई दुर्घटना घट जाने के बाद ही जब इनकी शिकायत होती है तो समाज हरकत में आता है।

अपराध होने से पहले अपराध की पृष्ठभूमि बनने दी जाती है। यह हमारे समाज और प्रशासन की सबसे बड़ी कमजोरी है। हम जब तक इस दृष्टिकोण से मुक्ति नहीं पाएंगे, इन कथित संतों के नए-नए अवतार उगते और फलते-फूलते रहेंगे। धार्मिक माने जाने वाले बहुत से संस्थान स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, वाचनालय, पुस्तकालय आदि चलाते हैं और समाज सेवा के कई अन्य कार्य भी करते हैं, जबकि समाज सेवा के कार्यों में लगने वाला यह पैसा उनकी कुल आय का बहुत छोटा-सा भाग होता है और समाज सेवा के सारे कार्य दिखावे के लिए किए जाते हैं ताकि समाज में उनकी अच्छी छवि बनी रहे। यह भी एक तथ्य है कि बहुत से धार्मिक संस्थान एनजीओ के रूप में रजिस्टर्ड हैं। हमारे समाज के बहुत से लोग अक्सर यह देख कर चुप रह जाते हैं कि बाबा लोग यदि कमाई कर रहे हैं तो कुछ न कुछ समाज का भला भी कर रहे हैं। लेकिन आधारभूत सवाल आय का नहीं है, बल्कि यह है कि ऐसे बहुत से धार्मिक अथवा आध्यात्मिक कहे जाने वाले संस्थान भ्रष्टाचार और दुराचार के अड्डे बन जाते हैं और जब तक उनके विरुद्ध शिकायतों की संख्या बहुत न बढ़ जाए, कोई उनका विरोध करने का साहस नहीं करता अथवा आवश्यकता ही नहीं समझता। यह धर्म-भीरुता बहुत खतरनाक है जो अंततः सिर्फ अपराध को ही बढ़ाने के काम आएगी। ऐसे बाबाओं के खिलाफ जब कानूनी कार्रवाई होने लगती है तो अक्सर बड़ी संख्या में उनके भक्त कानून और प्रशासन के विरोध में सडक़ों पर उतर आते हैं, रास्ते जाम करते हैं, तोडफोड़ करते हैं और धन-संपत्ति का नुकसान करने या हिंसा फैलाने से भी गुरेज नहीं करते। यह हमारे समाज की कमजोरी है। हमें खुद इससे उबरना होगा और जनता में जागृति पैदा करनी होगी। इसके लिए सामाजिक व्यवस्था को दुरुस्त करना, न्याय को सस्ता और साध्य बनाना भी आवश्यक है वरना बहुत से भोले-भाले लोग ठग बाबाओं के षड्यंत्रों का शिकार होते रहेंगे।

संपादक की कलम से

दिल्ली में दरिंदे भी!

बेशक दिल्ली भारत की राष्ट्रीय राजधानी है, लेकिन उसका आपराधिक चरित्र और भी बर्बर, निर्मम, जघन्य और जंगली होता जा रहा है। औसतन प्रत्येक 4 मिनट में महिला किसी-न-किसी अपराध की शिकार होती है। दिल्ली को अब 'अपराध का शहर' करार दिया जा सकता है, जहां राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्र सरकार, संसद, सर्वोच्च अदालत और विभिन्न देशों के दूतावास होने के बावजूद औसतन महिला, बहिन-बेटी 'असुरक्षित' है। नए साल के अंधेरे में, भोर अभी फूटी भी नहीं थी, कंझावला इलाके में कुछ दरिंदे जानवरों ने एक 20-साला युवती के साथ जो हैवानियत की, उस पर हम लगातार सोचते रहे कि क्या टिप्पणी की जाए? हम सरकार नहीं हैं, हम जांच एजेंसी नहीं हैं, हम पुलिस भी नहीं होना चाहते और न ही हम चश्मदीद हैं। ऐसी वहशियाना कसाईगीरी पर कुछ भी कहा जाए, वह अप्रासंगिक और उकसाऊ नहीं होना चाहिए। अब तो नया खुलासा सामने आया है कि कार चालकों ने कुल 40 किलोमीटर तक फंसी हुई लडक़ी को घसीटा। वह बेचारी रोती-कलपती रही, तड़पती रही, अंततः उसका जिस्म 'कंकाल' बन गया, खून की एक बूंद भी शेष नहीं रही। क्या किसी राजधानी-शहर में ऐसी दरिंदगी की कल्पना भी की जा सकती है? एक सहज सवाल जेहन में उभरता रहा कि क्या इनसान भी ऐसा जानवर हो सकता है?

क्या मानवता भी पाशविकता और हैवानियत की इतनी पराकाष्ठा तक पहुंच सकती है? सिर्फ यही वारदात दिल्ली को 'दाग़दार' और शर्मसार नहीं करती। कंझावला के पास ही वह छाबला क्षेत्र है, जहां कुछ अर्से पहले एक लडक़ी के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था और उसकी हत्या कर शव को हरियाणा के रेवाड़ी में एक तालाब में फेंक दिया गया था। मृतका की देह के निशान और जख्म चीख-चीख कर बयां कर रहे थे कि बलात्कारी इनसान नहीं, राक्षस थे। अदालतों में केस चला, फांसी की सजा भी सुनाई गई, लेकिन उन दरिंदों को सर्वोच्च अदालत ने 'बरी' घोषित कर दिया। इनसानियत और संवेदनशीलता स्तब्ध होकर रह गई, आत्मा घुट-घुट कर चीखती रही, लेकिन शीर्ष अदालत के फैसले को स्वीकार करना भी हमारा दायित्व है। कानून की भाषा भावनाओं को नहीं, सबूत को ही मानती है, बाकी सब कुछ बेमानी है। अलबत्ता आत्मा ने आज तक उस फैसले को 'इंसाफ' नहीं माना। इसी राजधानी दिल्ली में 'निर्भया हत्याकांड' को 10 साल गुजऱ चुके हैं। संसद की विशेष बैठक तक बुलाई गई। महिला अपराध संबंधी कानून में संशोधन किए गए। दो न्यायाधीशों ने कानून की परिभाषा और शब्दावली को नए सिरे से लिखा। भारत सरकार ने 1000 करोड़ रुपए का कोष बनाया, जिसे अधिकांश मामलों में खर्च ही नहीं किया जाता।

संतोष है कि निर्भया के बलात्कारियों और हत्यारों को फांसी पर लटका दिया गया। राजधानी दिल्ली में ही इनसानी रिश्तों की हत्याएं कर शव को टुकड़े-टुकड़े किया जाता रहा है। छेड़छाड़, फब्तियां कसना और मासूमों के साथ भी बलात्कार करना तो बहुत छोटे अपराध महसूस होने लगे हैं। शुक्र है कि कंझावला केस में लडक़ी के साथ यौन-शोषण की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कार के पहिए में फंसने और लंबी दूरी तक घिसटते रहने से लडक़ी के जिस्म पर करीब 40 निशान मिले हैं। फोरेंसिक रपट के मुताबिक, कार के अंदर खून के धब्बे और लडक़ी की मौजूदगी के निशान या सबूत भी नहीं मिले हैं। कार के अगले बाएं पहिए के नीचे खून के धब्बे जरूर पाए गए हैं। बहरहाल हम किसी भी निष्कर्ष की निर्णायक पुष्टि नहीं कर सकते, क्योंकि जांच अभी जारी है। यह एक हादसा भी हो सकता है, लेकिन हमें यह 'राक्षसी हत्याकांड' लगता है।

06 जनवरी का इतिहास

देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या में शामिल सतवंत सिंह और केहर सिंह को छह जनवरी के दिन ही फांसी दी गई थी। सतवंत सिंह और बेअंत सिंह इंदिरा गांधी के सुरक्षा कर्मी थे, जिन्होंने 31 अक्टूबर, 1984 को सरकारी आवास पर उन्हें गोली मार दी थी। इस षड्यंत्र में केहर सिंह भी शामिल था। बेअंत सिंह को उसी वक्त मौके पर मौजूद अन्य सुरक्षा कर्मियों ने मार गिराया था। इस दिन की एक और बड़ी घटना की बात करें तो 1947 में इसी दिन भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस कमेटी ने देश का विभाजन स्वीकार करके देश का भूगोल और इतिहास बदल दिया। इसके अलावा छत्रपति शिवाजी महाराज ने 1664 में छह जनवरी के दिन ही सूरत पर हमला किया जिसे बैटल ऑफ सूरत कहा जाता है।

देश दुनिया के इतिहास में 6 जनवरी की तारीख पर दर्ज अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं का सिलसिलेवार ब्यौरा इस प्रकार है :-

1664 : छत्रपति शिवाजी महाराज ने सूरत पर हमला किया।

1885 : आधुनिक भारत के दिग्गज हिंदी लेखक भारतेंदु हरिश चंद्र का निधन।

1928 : भारतीय नाटककार और रंगमंचकर्मी विजय तेंदुलकर का जन्म।

1929 – मदर टेरेसा भारत में वंचितों और ग़रीबों की सेवा करने के लिये कलकत्ता (अब कोलकाता) लौटीं।

1947 – भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी ने भारत का विभाजन स्वीकार किया।

1959 : भारत के हरफनमौला क्रिकेटर कपिल देव का जन्म। उन्हीं की कप्तानी में 1983 में भारतीय टीम ने क्रिकेट का विश्वकप जीता।

1966 : ऑस्कर विजेता भारतीय संगीतकार ए आर रहमान का जन्म।

1980 – सातवीं लोक सभा के लिए हुए चुनाव में इंदिरा गांधी की नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी को दो तिहाई बहुमत मिला।

1989 : इंदिरा गांधी की हत्या के दोषियों सतवंत सिंह और केहर सिंह को फाँसी दी गई।

2002 : ब्रिटेन के प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर और भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के बीच मुलाकात के बाद दिल्ली घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर।

2002 : बांग्लादेश की मुद्रा से शेख़ मुजीब का चित्र हटाया गया।

2008 : अमेरिका के पश्चिमी तटीय क्षेत्र में आए तूफ़ान ने भारी तबाही मचाई।

2012 : सीरिया की राजधानी दमिश्क में आत्मघाती हमले में 26 लोगों की मौत, 63 घायल।

2017 : हिंदी फिल्म अभिनेता पद्मश्री ओमपुरी का निधन।

चरित्रवान

बचपन से ही मेरी चरित्रवान बनने की इच्छा थी। पिताजी ने मुझे शाखा में भी भेजा तथा स्वयं ने भी संस्कारों की सीख दी, उसका प्रभाव यह हुआ कि मैं लगभग चरित्रवान-सा बन गया था यानि मुझे मूल्यों से हटाना सरल नहीं था। मैं सिद्धान्तों पर अडिग रहता था। कई बार तो मेरी जिद के सामने बाद में पिताजी तक को दिक्कत होने लगी। उन्हें गुस्सा आता कि उन्होंने मुझे इतना जबरदस्त चरित्रवान क्यों बना दिया। वे कहते कि बेटा! थोड़ा व्यावहारिक बनने की भी आवश्यकता है, अन्यथा तुम्हें जीवन में भूखों मरने की नौबत आ सकती है। मैं कहता कि तो क्या हुआ, मूल्यों की रक्षा के लिए भूखों मर जाना भी श्रेष्ठ मानता हूँ। उन दिनों देश में भ्रष्टाचार का शुभारंभ हो चुका था। हर राजनेता भ्रष्टाचार से सम्पत्ति अर्जित कर धनाढ्य बनने की होड़ में लगा था। पिताजी ने मुझे अपने कमरे में बुलाया और कहा-'बेटा! देख रहे हो देश की हालत क्या हो रही है? लोग इसे अपने चारों हाथ-पाँवों से लूट रहे हैं। मुझे एक पल गौर से देखो और अपने जीवन का रास्ता चुन लो।' मैंने पिताजी को देखा-फटी धोती, तार-तार कुर्ता, टूटी चप्पलें तथा मोटे फ्रेम के चश्मे में वे भारतीय गरीब का पर्याय थे। मुझे लगा क्या ये इसी विपन्नता में मर जायेंगे। तभी चरित्र ने जोर मारा-जीवन में अपने सद्चरित्र से ही आदमी को अपनी जीविका चलानी चाहिए। जब पिताजी ने इस मूल्य को नहीं त्यागा तो मुझे इस विरासत को आगे बढ़ाना चाहिए। तभी मन का विरोधी बोला-'भूखों मर जाओगे, भाई-बहिनों की पढ़ाई-लिखाई, शादी ब्याह कुछ भी नहीं हो पायेगा।

जिन्दगी की रेस में बढना है तो भ्रष्टाचार में लग जाओ।' तभी पिताजी बोले-'बेटा! तुम्हारे भीतर जो द्वंद्व चल रहा है उसे मैं समझता हूँ, लेकिन प्रैक्टिकल हुए बिना जीवन नैया पार नहीं लगेगी। मैं चरित्र की अपनी सारी शिक्षायें विड्रा करता हूँ। हो सके तो इस घर को भुखमरी से निकाल लो।' मेरी आँखें आश्चर्य से खुली रह गईं, उनके मुख से यह बात सुनकर। उनकी आँखों में आंसू भरे थे। उनकी चाह को मैं भली प्रकार से समझ सकता था। मैं बोला-'यह आप क्या कह रहे हैं पिताजी। चरित्र और सिद्धान्त मेरी रग-रग में समा चुका है। अब इसे आसानी से विड्रा नहीं किया जा सकता। जब पेट ईमानदारी से भर सकता है तो बईमानी की क्या आवश्यकता है?' 'बेटा! अकेले पेट का सवाल नहीं है, अब जरूरतें इतनी बढ़ गयी हैं कि उसके अनुसार तुम नहीं बन पाये तो मुझे दुःख होगा। हालांकि गलती मेरी ही है। लेकिन बेटा पहले का जमाना वही था। नये जमाने को और नये मूल्यों को समझने की आवश्यकता है। मैं नहीं चाहता कि तुम भी मेरी ही तरह घुट-घुट कर मरो। चरित्र समय की आवश्यकता नहीं है।' 'मैं आपका आशय समझ नहीं पा रहा?' 'अभी समझाता हूँ बेटा। देखो चुनाव नजदीक है-मैं चाहता हूँ कि तुम राजनीति में चले जाओ। इसमें तुम जल्दी ही प्रेक्टिकल बन जाओगे। सारे चरित्र पर पानी फिर जायेगा। मेरी आत्मा को शांति मिलेगी तथा तुम अच्छा कमा-खा लोगे। राजनीति में जमने के लिए चरित्र को त्यागना पड़ता है तथा थूककर चाटना पड़ता है।' इतना कहकर वे चले गये और मैं ठंडा पड़ गया। काटो तो खून नहीं। निश्चित नहीं कर पा रहा था कि राजनीति में जाऊँ या नहीं। क्योंकि चरित्र, संकट बन चुका था।

नोटबंदी को तो मतदाता ने 2019 के आम चुनाव में ही वैध ठहरा दिया था

सर्वोच्च न्यायालय की पांच जजों की संविधान पीठ ने बहुमत से केंद्र सरकार के नोटबंदी के जिस निर्णय अब वैध ठहराया, उसे तो देश की जनता 2019 के चुनाव में वैध करार दे चुकी थी। नोटबंदी का निर्णय आठ नवंबर 2016 को लिया गया। इसके तहत पांच सौ और एक हजार के नोट बंद करने की केंद्र सरकार की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आठ नवंबर की रात आठ बजे की। इस घोषणा के साथ ही इन बंद हुए नोट को बदलने के लिए 52 सप्ताह का समय भी दिया गया। नोटबंदी को लेकर विपक्ष ने खूब हंगामा किया। मीडिया ने भी जनता की परेशानी को लेकर खूब खबरें कीं। बैंकों के बाहर लगी जनता की लंबी-लंबी लाइन को खूब छापा। इसके बाद 2019 में आम चुनाव हुआ। मीडिया और विपक्ष का कहना था कि नोट बंदी से जनता, व्यापारी और आम आदमी को बड़ी परेशानी हुई, किंतु इस चुनाव में जनता ने भाजपा को 2014 के चुनाव से ज्यादा वोट दिए। ज्यादा सीटें दीं। 2014 के लोकसभा चुनाव में 336 सीटों के साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सबसे बड़ा गठबंधन और 282 सीटों के साथ भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। वहीं 2019 के चुनाव में भाजपा ने 303 सीटों पर जीत हासिल की और अपने पूर्ण बहुमत बनाये रखा और भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 353 सीटें जीतीं। इस चुनाव में अकेले भाजपा को 21 सीट ज्यादा मिली। भाजपा नीत गठबधंन को 2014 से 17 सीटें ज्यादा मिलीं। भाजपा ने 37.36 प्रतिशत वोट हासिल किए, जबकि भाजपा नीत गठबंधन का संयुक्त वोट शेयर 45 प्रतिशत रहा। विपक्ष के अनुसार अगर नोट बंदी गलत थी और इससे जनता, व्यापारी और आम आदमी परेशान रहा तो भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ता।

दरअसल इस नोटबंदी से परेशानी हुई नंबर दो का काम करने वालों को। रिश्वतखोर अधिकारियों को। उन्होंने अपनी नंबर दो की पूंजी को नंबर एक कराने के लिए अपने कर्मचारी को अच्छी खासी रकम भेंट स्वरूप दी। लेखक एक ऐसे शिक्षण संस्थाओं के ग्रुप को जानता है, जिसने नोटबंदी होते ही स्टाफ के खाते में एडवांस सैलरी के रूप में डेढ़-डेढ़ लाख रुपये डाल दिए। अपने पूरे स्टाफ को नोट बदलवाने के लिए बैंकों की लाइन में लगा दिया। इसके लिए कमीशन अलग से दिया गया।

आम आदमी और मजदूर तो इस बात से प्रसन्न हुआ कि नोटबंदी से उसका शोषण करने वाला ठेकेदार और बड़ा व्यापारी परेशान है। वह अपनी नंबर दो की रकम नंबर एक में कराने के लिए उसके सामने गिड़गिड़ा रहा है। अपने नोट बदलवाने के लिए उसे कमीशन में अच्छी रकम भी दे रहा है। उधर केंद्र सरकार ये संदेश देने में कामयाब रही कि नोटबंदी आम आदमी के लिए नहीं, बड़े-बड़े रिश्वतखोर और अवैध रूप से रकम एकत्र करने वाले बड़े व्यापारियों और तस्करों के खिलाफ है। इसीलिए 2019 के चुनाव में जनता ने वोटों से भाजपा की झोली भर दी।

सर्वोच्च न्यायालय की पांच जजों की संविधान पीठ ने चार-एक के वोट से सोमवार को नोटबंदी को सही ठहराया। जस्टिस एस अब्दुल नजीर, बीआर गवई, एएस बोपन्ना, वी रामसुब्रमण्यम और जस्टिस बीवी नागरत्ना इस संविधान पीठ में शामिल थे। चार जजों ने नोटबंदी को सही ठहराया जबकि जस्टिस बीवी नागरत्ना ने बाकी चार जजों की राय से अलग फैसला लिखा। उन्होंने कहा कि नोटबंदी का फैसला गैरकानूनी था। इसे गजट नोटिफिकेशन की जगह कानून के जरिए लिया जाना था। हालांकि उन्होंने कहा कि इसका सरकार के पुराने फैसले पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

सरकार ऐसा भी कर सकती

हिमाचल में राजनीतिक दर्शक दीर्घा के सामने सुक्खू सरकार अपने कड़े फैसलों का जोरदार प्रदर्शन करते हुए और कितना आगे निकलेगी, ये कयास मात्र नहीं, बल्कि एक अनूठी पड़ताल है। लगातार दफ्तरों की सांकल बंद करती मौजूदा सरकार ने यह ध्येय बना लिया है कि पिछली सरकार के अंतिम स्पर्श के तमाम निशान मिटा दिए जाएं। स्वास्थ्य के 180, राजस्व के 72 और पीडब्ल्यूडी के 16 कार्यालय बंद कर देने के मायने, राजनीतिक बहस के ढक्कन खोल रहे हैं। भाजपा के लिए इन फैसलों का पीछा करना स्वाभाविक है और इसका असर देखा जा सकता है। सुक्खू सरकार ने खुद को साबित करने के लिए अगर डिनोटिफिकेशन का फैसला लिया है, तो इसके एक ऐसा मानचित्र विकसित हो रहा है, जहां जनता के सामने कुछ न कुछ खोने का सबब पैदा होगा और भाजपा के लिए इन फैसलों का मुद्दा बनाने का ढोल बोल रहा होगा।

बावजूद इसके समय की मांग और हकीकत के मार्ग पर एक दिन तो यह सोचना ही पड़ेगा कि अदने से हिमाचल के लिए कितने दफ्तर, कितने स्कूल-कालेज और कितने चिकित्सा संस्थान चाहिएं। घोषणाएं राजनीतिक भेड़-बकरियां बन जाएं, तो इन काफिलों का कभी अंत नहीं होगा। मजबूरियां बचत और बजट की हो सकती हैं या पिछली सरकार के अंतिम करतब पर बटोरी गई तालियों पर अंकुश लगाने का इससे बड़ा और अवसर क्या होगा, लेकिन अपने नक्शे बदलती सरकार को बताना ही पड़ेगा कि उसका प्रशासनिक व शासनिक मॉडल होगा क्या। बहरहाल यह तो मान सकते हैं कि सरकारें अपने अंतिम दौर में गुंजाइश से अधिक, फरमाइश पर गौर फरमाते हुए सत्ता की सलतनत को परवान चढ़ाते हुए, अंधाधुंध विस्तार करती हैं। सुक्खू सरकार ने सभी विभागों की कांट छांट करते हुए प्रदेश को नई सुर्खियां जरूर प्रदान की हैं। लोग सोच सकते हैं कि सरकारें ऐसा भी कर सकती हैं और ऐसा करने की बाध्यता को समझ सकते हैं, बशर्ते सरकार उन्हें यह समझाने के लिए रोडमैप सामने रखे।

सरकार को अपने मायने साबित करने की जरूरत इसलिए भी दिखाई दे रही है, क्योंकि हिमाचल ने अभी तक पूरे मंत्रिमंडल की झलक नहीं देखी है। सरकार का एक सशक्त पक्ष मुख्यमंत्री व डिप्टी सीएम के रूप में सामने आ रहा है, लेकिन सामूहिक जिम्मेदारी में तमाम मंत्रियों के चेहरे सामने आने चाहिएं। प्रदेश में जो हो रहा है, वह एक तरह से सत्ता का हुकम है, लेकिन लोकतांत्रिक परंपराएं सरकार की जवाबदेही में मंत्रिमंडल देखना चाहती हैं। जाहिर है जब कोई स्वतंत्र रूप से स्वास्थ्य, राजस्व व लोक निर्माण मंत्री होगा, तो कार्यालयों के बंद दरवाजों के आगे सरकार के फैसलों का औचित्य भी बताएगा। भले ही सरकार की विवशता रही हो, लेकिन जहां प्रश्न उठेंगे वहां कुछ तो बताना ही पड़ेगा। सरकार की संरचना में एकाधिकार कुछ समय के लिए वरदान सिद्ध हो भी जाए, लेकिन इसकी अहमियत में सामूहिक जिम्मेदारी का एहसास आवश्यक हो जाता है। विभागों की कतरब्यौंत ने मंत्रियों की सुध लेनी शुरू कर दी है, नतीजतन जिज्ञासा यह भी है कि सरकार का सकारात्मक पक्ष दिखाई तो दे। ये कार्यालय बंद हो रहे हैं, तो इसके साथ जुड़ी संवेदना जाग रही है।

सत्ता के इस पक्ष को उबारने के लिए शीतकालीन सत्र पड़ाव हो सकता है, लेकिन सरकार को दिखाने के लिए तुरंत मंत्रिमंडल का गठन अनिवार्य हो रहा है। लोकतंत्र के जिस पर्व से निकल कर कांग्रेस सरकार को जनता से आशीर्वाद मिला, उसे इस परिवर्तन का एहसास कराने के लिए सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार चाहिए और यह पार्टी को अपने नेताओं, समर्थकों और प्रशंसकों के तालमेल से संभव करना है। बेशक सरकार ने अपनी मशीनरी के तौर पर सचिवालय से जिला प्रशासन तक कुछ प्राथमिकताएं आगे कर दी हैं, लेकिन हर विभाग को अपने सूत्रधार, अपनी प्राथमिकताएं चाहिएं। यह इसलिए भी कि कड़ी परीक्षा में कुछ कार्यालय तो अनुत्तीर्ण घोषित हो गए, लेकिन प्रश्न पत्र हर विभाग का प्रतिनिधित्व नहीं कर रहा। अतः सरकार को खुद में लोकतांत्रिक चेहरा पहन कर मुखातिब होना पड़ेगा और इसके लिए सर्वप्रथम मंत्रियों के बारे में फैसले पर सहमति सामने लानी होगी। कांग्रेस के विजयी विधायकों के सामने अगर सरकार के पदों पर आसीन होने का सिलसिला जारी है, तो फिर सत्ता की चमक में मंत्रियों पर फैसला लेने में गफलत क्यों। जाहिर है जीते हुए विधायकों में कई वरिष्ठ व अनुभवी नेता ऐसे भी हैं, जो पहले भी सरकार का दायित्व सफलता से निभा पाए हैं। सरकार के कठिन फैसलों के सामने विपक्ष ने अगर अपनी रणनीति को धार देनी शुरू कर दी है, तो सरकार को भी पतवार थामने के लिए मंत्रियों के हाथ चाहिएं।

ब्रीफ न्यूज

6 महीने में 200 तक जा सकता है यह सस्ता शेयर, आज 52 वीक हाई पर पहुंचा भाव, एक्सपर्ट ने कहा- खरीदो

अगर आप शेयर बाजार में सस्ते शेयर पर दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए यह खबर काम की हो सकती है। ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक, यह शेयर आने वाले दिनों में बंपर कमाई करा सकता है। हम बात कर रहे हैं फेडरल बैंक के शेयर (Federal Bank stock) की। फेडरल बैंक के शेयर पर एक्सपर्ट बुलिश हैं और इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं। फेडरल बैंक के शेयर आज गुरुवार के कारोबारी दिन में बीएसई पर 52 वीक के नए हाई 136.30 रुपये पर पहुंच गए। शानदार सितंबर तिमाही नतीजों के बाद शेयर में लगातार तेजी देखी जा रही है। फेडरल बैंक के शेयर आज इंट्रा डे ट्रेड में बीएसई पर 52 वीक हाई 136.30 रुपये पर पहुंच गया।

शेयर में आज 2.10% की जबरदस्त तेजी है। फेडरल बैंक के शेयर पिछले इस साल YTD में अब तक 56% तक चढ़ गया है। LKP Securities ने फेडरल बैंक के लिए 180 रुपये का टारगेट दिया है और इसे 'बाय' रेटिंग दी है। IIFL Securities के अनुज गुप्ता ने फेडरल बैंक के शेयर पर 'बाय' रेटिंग देते हुए इसका टारगेट प्राइस 180-200 रुपये रखा है। जो कि अगले छह महीने में ही पहुंचने की संभावना जताई गई है।

बैंक धोखाधड़ी मामले में कॉरपोरेट पावर लिमिटेड के खिलाफ केस दर्ज, 4000 करोड़ रुपये की गड़बड़ी के आरोप

नईदिल्ली। कोलकाता स्थित कंपनी ने कथित तौर पर 20 बैंकों के कंसोर्टियम से जुड़े 4037.87 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी की थी। सीबीआई की ओर से बताया गया है कि है कि वर्ष 2009 और 2013 के बीच उक्त उधारकर्ता ने परियोजना लागत विवरण में हेरफेर किया था और बैंक फंड को डमी खातों में डायवर्ट किया था। सीबीआई ने कॉरपोरेट पावर लिमिटेड और उसके निदेशकों के खिलाफ 4,000 करोड़ रुपये की कथित बैंक धोखाधड़ी मामले प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने नागपुर, मुंबई, रांची, कोलकाता, दुर्गापुर, गाजियाबाद और विशाखापत्तनम सहित कई शहरों में बृहस्पतिवार को 16 स्थानों पर छापेमारी की। कोलकाता स्थित कंपनी ने कथित तौर पर 20 बैंकों के कंसोर्टियम से जुड़े 4037.87 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी की थी। सीबीआई की ओर से बताया गया है कि है कि वर्ष 2009 और 2013 के बीच उक्त उधारकर्ता ने परियोजना लागत विवरण में हेरफेर किया था और बैंक फंड को डमी खातों में डायवर्ट किया था। यह भी आरोप लगाया गया था कि मुख्य रूप से संबंधित पार्टियों और धन के लेनदेन सहित व्यापार प्राप्तियों को विभिन्न कंपनियों के खातों में भेज दिया गया जो डमी खाते थे; उन खातों से उधारकर्ता धन निकालने में सक्षम था। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा है कि एजेंसी ने प्राथमिकी में कंपनी और उसके प्रवर्तकों तथा निदेशकों को नामजद किया है। सीबीआई ने अभिजीत समूह प्रवर्तित कंपनी कॉरपोरेट पावर लिमिटेड और उसके निदेशकों के खिलाफ 4,000 करोड़ रुपये की कथित बैंक धोखाधड़ी के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने इस मामले में गुरुवार को नागपुर, मुंबई, रांची, कोलकाता, दुर्गापुर, गाजियाबाद और विशाखापत्तनम सहित कई शहरों में 16 स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि झारखंड में बिजली संयंत्र स्थापित करने के लिए अभिजीत समूह की ओर से प्रवर्तित कोलकाता स्थित विशेष प्रयोजन इकाई कॉरपोरेट पावर लिमिटेड ने कथित तौर पर 20 बैंकों के समूह से जुड़े 4037.87 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी की। उन्होंने कहा कि अभिजीत समूह की कई कंपनियां और उसके कुछ निदेशक कोयला घोटाला मामलों के सिलसिले में पहले से ही सीबीआई जांच का सामना कर रहे हैं और उनके खिलाफ आरोपपत्र भी दायर किया गया है। उन्होंने बताया कि कंपनी पावर लिमिटेड ने झारखंड के लातेहार जिले में 2,900 करोड़ रुपये की लागत से चार गुणा 135 मेगावाट क्षमता का 540 मेगावाट बिजली संयंत्र लगाने की योजना बनाई थी। एजेंसी की ओर से यह भी आरोप लगाया गया कि 2009 से 2013 के बीच कर्ज लेने वालों ने परियोजना लागत में हेरफेर किया और बैंक कोष का अन्यत्र इस्तेमाल किया। एजेंसी ने प्राथमिकी में मनोज जायसवाल, अभिषेक जायसवाल, अभिजीत जायसवाल, राजीव कुमार, बिशाल जायसवाल, मुन्ना कुमार जायसवाल, पीएन कृष्णन, राजीव गोयल, अरुण कुमार श्रीवास्तव, एसएन गायकवाड़, प्रेम प्रकाश शर्मा और अरुण गुप्ता सहित कंपनी और उसके प्रवर्तकों एवं निदेशकों को आरोपित बनाया है।

बाजार में तीन महीने की सबसे बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 981 अंक टूटा, निफ्टी 17850 के नीचे

एनटीवी न्यूज

नई दिल्ली। बीते चार कारोबारी दिनों में घरेलू शेयर बाजार में निवेशकों को करीब 20 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। पिछले तीन महीनों की बढ़त बाजार ने पिछले चार दिनों में ही गंवा दी है। हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली। लगातार चौथे कारोबारी सेशन में बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। शुक्रवार के बाजार बंद होते समय सेंसेक्स 980.93 अंकों की गिरावट के साथ 59,845.29 अंकों पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 320.55 अंकों की गिरावट के साथ 17,806.80 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में यह पिछले तीन महीने की सबसे बड़ी गिरावट है। बैंक निफ्टी 740 अंकों की गिरावट के साथ 41668 के स्तर पर बंद हुआ। मिडकैप इंडेक्स में तो 3.76 फीसदी यानी 1179 अंकों की गिरावट आई और यह 30157 पर बंद हुआ।

बीते चार कारोबारी दिनों में घरेलू शेयर बाजार में निवेशकों को करीब 20 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। पिछले तीन महीनों की बढ़त बाजार ने पिछले चार दिनों में ही गंवा दी है। शुक्रवार के कारोबारी सेशन में टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंशियल सर्विसेज और विप्रो जैसी कंपनियों के शेयरों में गिरावट दिखी। कोटक सिक्योरिटीज के अमोल अठावले के अनुसार कमजोर वैश्विक संकेतों और मंदी के बाहरी कारकों ने दोनों प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों को मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे धकेल दिया। चीन और जापान में कोविड मामलों में तेजी के अलावा, उम्मीद से बेहतर यूएस क्यू3 जीडीपी नंबरों ने इस चिंता को और बढ़ा दिया कि फेड मुद्रास्फीति को कम करने के लिए और अधिक दरों में बढ़ोतरी करेगा, जिसने बाजारों में बिकवाली के दबाव को और बढ़ा दिया। तकनीकी रूप से, लंबे समय के बाद सूचकांक 50 दिन के एसएमए (सिंपल मूविंग एवरेज) से नीचे बंद हुआ और साप्ताहिक चार्ट पर एक लंबी मंदी का कैंडल बना जो मोटे तौर पर नकारात्मक है। व्यापारियों के लिए, जब तक सूचकांक 18000 से नीचे कारोबार कर रहा है, तब तक इसमें गिरावट की आशंका बनी रहेगी यह 17600-17500 तक फिसल सकता है। दूसरी तरफ, 18000 का लेवल मजबूत प्रतिरोध क्षेत्र के रूप में कार्य कर सकता है। अगर निफ्टी इंडेक्स 18000 का लेवल पार करता है तो यह 50 दिन के एसएमए या 18150-18200 तक पहुंच सकता है।

बढ़ती महंगाई पर रिजर्व बैंक की एमपीसी की विशेष बैठक शुरू

नईदिल्ली/मंबई, । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की विशेष बैठक शुरू हो गई है। आरबीआई गर्वनर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में गुरुवार को यहां हो रही इस बैठक में देश में बढ़ती महंगाई को लेकर सरकार को भेजी जाने वाली रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक एमपीसी की इस विशेष बैठक में तैयार रिपोर्ट सरकार को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम के तहत सौंपी जाएगी। इस बैठक में आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास के अलावा आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा और आरबीआई के कार्यकारी निदेशक राजीव रंजन भी शामिल हैं। एमपीसी की बैठक में तैयार होने वाली इस रिपोर्ट में बताया जाएगा कि इस वर्ष जनवरी से लगातार तीन तिमाहियों में वह खुदरा महंगाई दर को छह फीसदी की संतोषजनक सीमा से नीचे रखने में क्यों विफल रही है।

दरअसल, छह साल पहले एमपीसी का गठन होने के बाद पहली बार आरबीआई लगातार नौ महीनों तक महंगाई को निर्धारित दायरे में नहीं रख पाने पर एक रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपेगा। उल्लेखनीय है कि खाद्य पदार्थों के महंगा होने से देश में खुदरा महंगाई दर सितंबर महीने में बढ़कर रिकॉर्ड 7.41 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई है। हालांकि, आरबीआई बढ़ती महंगाई को थामने के लिए लगातार नीतिगत ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर रहा है, लेकिन महंगाई थमने का नाम नहीं ले रही है। इससे एक दिन पहले आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने अपनी नीतियों का बचाव करते हुए कहा था कि अगर समय से पहले ब्याज दरों को सख्त करना शुरू कर दिया होता तो अर्थव्यवस्था में वृद्धि नीचे की ओर मुड़ जाती।

ब्याज दरों में बढ़ोतरी से बिगड़ा ग्लोबल बाजार का मूड, एशियाई बाजारों में भी दबाव

नई दिल्ली । अमेरिकी केंद्रीय बैंक यूएस फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने के फैसले ने वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों का मूड बिगाड़ दिया है। ब्याज दरों में हुई बढ़ोतरी के कारण अमेरिकी बाजार पिछले कारोबारी सत्र में बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। इसी तरह एशियाई बाजारों में भी आज गिरावट का रुख बना हुआ है।

यूएस फेड द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने के कारण पिछले कारोबारी सत्र के दौरान डाओ जोंस 500 अंक से ज्यादा गिरावट के साथ बंद हुआ। इस सूचकांक में पिछले कारोबारी सत्र के दौरान 1.57 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह एसएंडपी 500 सूचकांक भी 2.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इस सूचकांक में शामिल शेयरों में से 74 प्रतिशत शेयर गिरकर लाल निशान में बंद हुए। इसके अलावा नैस्डेक भी पिछले कारोबारी सत्र के दौरान 3.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,524 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आपको बता दें कि यूएस फेडरल रिजर्व ने कल ही लगातार चौथी बार ब्याज दरों में 0.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया था। बाजार में पहले से ही इस बात की आशंका जताई जा रही थी कि अमेरिका में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची महंगाई पर काबू पाने के लिए यूएस फेड ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है। यही वजह है कि अमेरिकी बाजार 1 दिन पहले से सतर्क होकर दबाव में कारोबार कर रहे थे। कल ब्याज दरों में बढ़ोतरी होने का ऐलान होने के बाद इसका साफ असर अमेरिकी बाजार पर पड़ा और अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए।

अमेरिकी बाजार के लिए राहत की बात सिर्फ यही रही कि ब्याज दरों में बढ़ोतरी का ऐलान करने के साथ ही अमेरिकी केंद्रीय बैंक में महंगाई को थामने की अपनी कोशिशों के आखिरी दौर में पहुंचने के भी संकेत दिए। यूएस फेड की ओर से कहा गया है कि इस बार ब्याज दरों में की गई 75 बेसिस प्वाइंट यानी 0.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ ब्याज दरें उस उच्च स्तर पर पहुंच जाएंगी, जो महंगाई दर को घटा कर 2 प्रतिशत तक के स्तर पर लाने के लिए पर्याप्त होंगी। यूएस फेड के इसी बयान की वजह से माना जा रहा है कि अगर ब्याज दरों में बढ़ोतरी के आशाजनक परिणाम सामने आए तो आने वाले दिनों में ब्याज दरों में बढ़ोतरी नहीं भी की जा सकती है।

फेडरल रिजर्व के इस बयान के बाद इसका एक अर्थ ये भी निकाला जा रहा है कि आने वाले दिनों में यूएस फेड ब्याज दरों में बढ़ोतरी के आंकड़े को कम करने के लिए ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला भी ले सकता है। लेकिन ऐसा तभी होगा जब अमेरिका में महंगाई दर के आंकड़ों में पर्याप्त कमी आए। इस बार की गई बढ़ोतरी के बाद अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने अपने बेंचमार्क इंटरेस्ट रेट को 3.75 प्रतिशत से लेकर 4 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है, जो 2008 के बाद का उच्चतम स्तर है। आपको बता दें कि यूएस फेड इस बढ़ोतरी को मिलाकर लगातार चार बार और इस साल छठी बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर चुका है।

यूएस फेड द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी किए जाने का असर पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिकी बाजार पर तो पड़ा ही, एशियाई बाजार भी दबाव में आ गए। आज एशियाई बाजारों में भी गिरावट के साथ कारोबार होता नजर आ रहा है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स को छोड़ कर एशियाई देशों के शेष सभी इंडेक्स गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे हैं।

एसजीएक्स निफ्टी 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,076 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 27,663.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ है। स्ट्रेट टाइम्स इंडेक्स भी 1.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,104.68 अंक के स्तर पर कारोबार करता दिख रहा है। वही हैंग सेंग इंडेक्स में 2.90 प्रतिशत की गिरावट आ गई है और फिलहाल ये 15,36.38 अंक के स्तर पर बना हुआ है।

ताइवान का बाजार ताइवान वेटेड इंडेक्स भी 1.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 12,953.41 अंक के स्तर पर बना हुआ है, जबकि कोस्पी इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,329.18 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। शंघाई कंपोजिट इंडेक्स भी 0.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,984.43 अंक के स्तर पर बना हुआ है। जबकि जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,025.13 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी बाजार के लिए राहत की बात सिर्फ यही रही कि ब्याज दरों में बढ़ोतरी का ऐलान करने के साथ ही अमेरिकी केंद्रीय बैंक में महंगाई को थामने की अपनी कोशिशों के आखिरी दौर में पहुंचने के भी संकेत दिए। यूएस फेड की ओर से कहा गया है कि इस बार ब्याज दरों में की गई 75 बेसिस प्वाइंट यानी 0.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ ब्याज दरें उस उच्च स्तर पर पहुंच जाएंगी, जो महंगाई दर को घटा कर 2 प्रतिशत तक के स्तर पर लाने के लिए पर्याप्त होंगी।

चीन में बढ़ते संक्रमण से बढ़ी भारत की चिंता, अगर लगा लॉकडाउन तो इन सेक्टरों पर दिखेगा असर

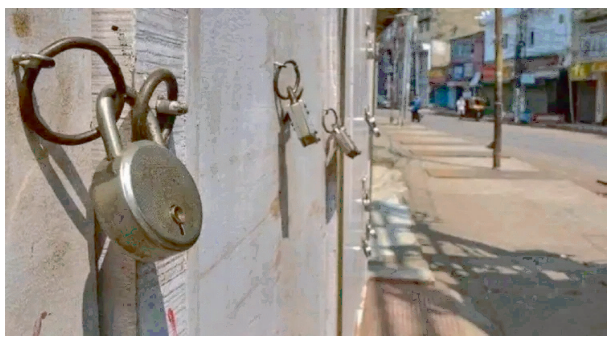

नईदिल्ली। अमर उजाला से चर्चा में फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट्स ऑर्गेनाइजेशन (फियो) से जुड़े व्यापारियों का कहना है कि चीन व कुछ अन्य देशों में कोविड-19 के मामले बढ़ रहे हैं, जो वैश्विक व्यापार के लिए खतरे की घंटी है... चीन, अमेरिका, दक्षिण कोरिया समेत कई देशों में कोरोना केसों के बढ़ने के साथ अब भारत में भी संक्रमण को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। लेकिन इसी बीच निर्यातकों को चीन भेजी जाने वाली खेप में आगे और कमी आने की चिंता सताने लगी है, क्योंकि पड़ोसी देश में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अगर चीन में व्यापक स्तर पर लॉकडाउन होता है, तो भारत के निर्यात के साथ ही आयात पर भी व्यापक देखने को मिलेगा। व्यापार संगठनों के मुताबिक जोखिम वाले क्षेत्रों में फार्मास्यूटिकल्स, वाहनों के कलपुर्जे और इलेक्ट्रॉनिक सामान और उसके पार्ट्स शामिल हैं। दरअसल, इस वित्त वर्ष के शुरुआती सात माह में चीन भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है। वैश्विक व्यापार में चीन की हिस्सेदारी बहुत ज्यादा है। अगर लॉकडाउन के कारण कोई कोई व्यवधान होता है, तो इसका असर भारत समेत कई देशों पर पड़ सकता है, जो चीन द्वारा की जाने वाली आपूर्ति पर निर्भर हैं। जहां तक निर्यात का मसला है। चीन भारत का चौथा निर्यात बाजार है। जबकि इसके पहले के वित्त वर्ष में तीसरा सबसे बड़ा बाजार था।

चर्चा में फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट्स ऑर्गेनाइजेशन (फियो) से जुड़े व्यापारियों का कहना है कि चीन व कुछ अन्य देशों में कोविड-19 के मामले बढ़ रहे हैं, जो वैश्विक व्यापार के लिए खतरे की घंटी है। भारत चीन से प्रमुख रूप से इलेक्ट्रॉनिक सामान, इंजीनियरिंग सामान, रसायन और उससे जुड़े उत्पादों, अन्य विनिर्मित वस्तुओं और वस्त्र का आयात करता है। जबकि पेट्रोलियम उत्पाद, समुद्री उत्पाद, कार्बनिक रसायन, गैर बासमती चावल के अलावा अन्य कुछ वस्तुओं का चीन को निर्यात करता है। लेकिन पिछले साल के अंत से ही निर्यात घट रहा है। बहरहाल कंपनियां चीन से कच्चे माल की आपूर्ति पर निर्भर हैं और अगर कोई व्यवधान आता है तो अगले दो-तीन महीने के लिए गंभीर चिंता का विषय हो सकता है। लेकिन पिछले अनुभव को देखते हुए कंपनियों ने भंडारण शुरू कर दिया है।

लगातार घट रहा है दोनों देशों के बीच बाजार

उपलब्ध आंकड़ों पर नजर डालें तो सामने आता है कि चीन को होने वाला निर्यात दिसंबर 2021 से ही कम हो रहा है। अप्रैल से अक्तूबर के बीच भारत ने चीन को 8.84 अरब डॉलर की वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात किया है, जो एक साल पहले की तुलना में 37 फीसदी कम है। जबकि इसी अवधि के दौरान भारत ने चीन से 60 अरब डॉलर से ज्यादा वस्तुओं का आयात किया है, जो एक साल पहले की तुलना में 17 फीसदी ज्यादा है। इंडियन टी एसोसिएशन से जुड़े कारोबारियों का कहना है कि चीन में कोविड के बढ़ते मामले चिंता का विषय हैं। चीन भारत के लिए बड़ा निर्यात बाजार है। हालांकि तीन साल पहले की तुलना में भेजी जाने वाली खेप अब घटकर आधी रह गई है।

ब्रिटेन में यात्रियों को यात्रा में विलंब के लिए चेताया गया, पासपोर्ट कर्मचारी गए हड़ताल पर

नई दिल्ली। ब्रिटेन के हवाई अड्डों पर आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को लंबे विलंब को लेकर चेताया गया है, क्योंकि पासपोर्ट की जांच करने वाले सीमा बल (बॉर्डर फोर्स) के कर्मचारियों ने वेतन और काम के हालात में बेहतरी को लेकर हड़ताल शुरू की है।

1,000 से अधिक कर्मचारी हीथ्रो, गैटविक, बर्मिंघम, कार्डिफ, मैनचेस्टर और ग्लासगो के हवाई अड्डों के साथ साथ ईस्ट ससेक्स के न्यूहैवेन बंदरगाह से बाहर निकल गए जिससे वहां पासपोर्ट नियंत्रण डेस्क प्रभावित हुई।

हड़ताल सोमवार तक जारी रहेगी और इसके बाद 28 दिसंबर से 31 दिसंबर को फिर से हड़ताल की जाएगी। हड़ताली कर्मचारियों की जगह सैन्यकर्मियों और कार्यकर्ताओं की मदद ली जा रही है और बॉर्डर फोर्स के लिए जिम्मेदार ब्रिटेन का गृह विभाग अन्य विभागों से अधिकारियों को मदद के लिए भेज रहा है। इस दौरान इन हवाईअड्डों पर 10,000 से अधिक उड़ानें उतरेंगी और शुक्रवार को आने वाले लगभग 250,000 यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ सकता है। इस बीच रॉयल मेल डाक के कर्मचारी भी शुक्रवार से हड़ताल पर जाएंगे। यह इस माह में पांचवी बार हड़ताल होगी। ऐसा अनुमान है कि शनिवार को हड़ताल के जारी रहने से रॉयल मेल को करीब 110 करोड़ जीबीपी (ब्रिटिश पाउंड स्टर्लिंग) का नुकसान होगा। लंदन और इंग्लैंड के दक्षिण पूर्व में राष्ट्रीय राजमार्ग कर्मचारी भी बृहस्पतिवार से शुरू अपनी हड़ताल को जारी रखेंगे।

आरएमटी यूनियन की अगुवाई में रेल कर्मचारी शनिवार से हड़ताल पर जाएंगे जो 27 दिसंबर की शाम तक जारी रहेगा। इससे भी कुछ सेवाओं पर असर पड़ेगा। इस हड़ताल से प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजरवेटिव पार्टी की सरकार पर दबाव बढ़ गया है जिसने लोक सेवा क्षेत्र के कर्मियों की वेतन में बढ़ोत्तरी की मांग को मानने से इनकार कर दिया है।

कोविड-19 और यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के मद्देनजर नवंबर में मंहगाई दर 10.7 प्रतिशत बनी रही जिससे खाने-पीने की चीजें और ऊर्जा की कीमतें बढ़ी हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा की हजारों नर्सें इस महीने दूसरी बार मंगलवार को 24 घंटे की हड़ताल में शामिल हुईं। एंबुलेंस ड्राइवर, पैरामेडिक्स और डिस्पैचर ने भी इस सप्ताह की शुरुआत में हड़ताल की और 28 दिसंबर को उनकी फिर से हड़ताल पर जाने की योजना है।

शौर्य पथ में ब्रिगेडियर (रि) डीएस त्रिपाठी ने बताया-

कितना लंबा चल सकता है रूस-यूक्रेन युद्ध

एनटीवी न्यूज

रूस-यूक्रेन युद्ध पर ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) डीएस त्रिपाठी ने कहा कि कई देश पीछे से चाहते हैं कि यह चलता रहे क्योंकि इससे उनकी हथियार कंपनियों को लाभ हो रहा है। दूसरी तरफ रूस को यह अहसास हो रहा है कि उसने जितना हल्का यूक्रेन को आंका था उतना उसे वह भारी पड़ गया है।

नमस्कार, खास कार्यक्रम शौर्य पथ में आप सभी का स्वागत है। आज की कड़ी में हम बात करेंगे रूस-यूक्रेन युद्ध की। तवांग की घटना के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पहले अरुणाचल प्रदेश के दौरे की। नेपाल में बदले राजनीतिक घटनाक्रमों की और 2023 में भारत के समक्ष खड़ी रक्षा-सुरक्षा चुनौतियों की। हमारे सवालों का जवाब देने के लिए हमेशा की तरह कार्यक्रम में उपस्थित हैं ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) श्री डीएस त्रिपाठी जी।

प्रश्न-1. माना जा रहा था कि सर्दियां शुरू होने के साथ ही रूस-यूक्रेन युद्ध कमजोर पड़ सकता है लेकिन ऐसा लगता है कि सर्दी में ही दोनों को ज्यादा जोश आ गया है। यूक्रेन ने अमेरिकी हिमार्स रॉकेटों के जरिये बड़ी संख्या में रूसी सैनिकों को एक झटके में मार गिराने का दावा किया है जिसके बाद रूस में युद्ध के खिलाफ माहौल दिखाई दे रहा है। इसी बीच, रूस ने भी जवाबी हमला करते हुए यूक्रेन के कई सैनिकों को मार गिराने का दावा किया है। आपको क्या लगता है, किस दिशा में जा रहा है यह युद्ध?

उत्तर- देखिये इस युद्ध से बचने के लिए तो सभी ने सलाह दी थी लेकिन इसे रोकने के लिए किसी ने खास प्रयास नहीं किये। अब भी जब युद्ध खिंचता चला जा रहा है तो कई देश पीछे से चाहते हैं कि यह चलता रहे क्योंकि इससे उनकी हथियार कंपनियों को लाभ हो रहा है। यही नहीं जिस तरह से यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदमीर जेलेंस्की को अमेरिका दौरे के दौरान पैसा और हथियार मिले हैं उससे लगता नहीं कि अभी यह युद्ध बंद होने वाला है। दूसरी तरफ रूस को भी अब यह अहसास हो रहा है कि उसने जितना हल्का यूक्रेन को आंका था उतना उसे वह भारी पड़ गया है। जिस तरह रूस के सैनिकों को रॉकेट हमले में मारा गया है उसको देखते हुए रूस चुप बैठने वाला नहीं है। माना जा सकता है कि यह संघर्ष तेज ही होगा। साथ ही नाटो अपने रक्षा बजट को एक प्रतिशत से बढ़ाकर दो प्रतिशत करने जा रहा है जिससे कुल मिलाकर हथियार कंपनियों की ही चांदी होगी।

प्रश्न-2. वैसे तो यह राजनीतिक सवाल है मगर रक्षा क्षेत्र से जुड़ा है इसलिए आपसे कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि चीन भारत के साथ उसी सिद्धांत पर अमल कर रहा है, जो रूस ने यूक्रेन के साथ अपनाया है। इस पर आपकी क्या प्रतिक्रिया है?

उत्तर- राहुल गांधी ने जो कुछ कहा उसे जरा दूसरे परिप्रेक्ष्य में देखे जाने की जरूरत है। पहली बात तो यूक्रेन और भारत की तुलना नहीं की जा सकती क्योंकि परिस्थितियां भी अलग हैं और मुद्दे भी। जहां तक राहुल गांधी का यह कहना है कि हम चीन के खतरे को नजरअंदाज कर रहे हैं तो उन्हें समझना होगा कि ऐसा अब नहीं हो रहा है बल्कि पहले होता था। पहले सेना को संसाधन ही मुहैया नहीं कराये जाते थे, जब संसाधन ही नहीं होंगे तो सैनिक कैसे मोर्चा संभालेंगे? राजनीतिक इच्छाशक्ति की भी पहले कमी थी इसलिए भी चीन हम पर हावी होता रहा। यदि चीन को पहले ही दिन यह बता दिया गया होता कि आपकी हर हिमाकत का जवाब दिया जायेगा तो उसकी इतनी हिम्मत नहीं होती। इसलिए राहुल गांधी का यह बयान सही है कि चीन को हल्के में लिया गया लेकिन यह अब नहीं पहले लिया गया।

प्रश्न-3. तवांग में चीनी घुसपैठ की कोशिश को विफल किये जाने की घटना के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अरुणाचल प्रदेश का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सैन्य तैयारियों और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और जम्मू-कश्मीर के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पुलों और सड़कों समेत 28 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को देश को समर्पित किया। सरकार के इन प्रयासों को कैसे देखते हैं आप?

उत्तर- इस सरकार के कार्यकाल में जिस तेजी के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा विकास संबंधी कार्य हुए हैं वह ऐतिहासिक है। चीन हम पर इसलिए हावी होता जा रहा था क्योंकि वह विभिन्न सीमाओं पर बहुत जल्दी अपने सैनिकों को पहुँचा सकता था जबकि हमें समय लगता था। हमने 2020 में पूर्वी लद्दाख में हुई झड़प के दौरान जिस तेजी के साथ अपने सैनिकों की तैनाती की उससे चीन को अहसास हो गया है कि यह बदला हुआ भारत है। रक्षा मंत्री ने अपने अरुणाचल प्रदेश के दौरे के दौरान जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया उससे सेना को तो युद्ध की स्थिति में लाभ होगा ही साथ ही स्थानीय स्तर पर भी आम जनता को बड़े लाभ होंगे।

प्रश्न-4. नेपाल में बड़ा राजनीतिक बदलाव हुआ है और चीन समर्थक केपी शर्मा ओली के समर्थन से प्रचंड वहां के प्रधानमंत्री बन गये हैं। पुष्प कमल दहल प्रचंड ने प्रधानमंत्री बनते ही चीन की सहायता से बने पश्चिमी नेपाल के पर्यटन केंद्र पोखरा में तीसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया और चीनी सरकार से रेलवे सेवाओं और अन्य परियोजनाओं के निर्माण में सहायता करने का भी अनुरोध किया। नेपाल के इस पूरे घटनाक्रम को कैसे देखते हैं आप? भारत को किन बातों का ध्यान रखे जाने की जरूरत है?

उत्तर- भारत को बहुत ध्यान रखने की जरूरत है क्योंकि चीन हमें चारों ओर से घेरने का प्रयास कर रहा है और भारत के सभी पड़ोसी देशों के बीच अपनी जोरदार पैठ बना चुका है। नेपाल में चीन समर्थक सरकार बनना दर्शाता है कि नेपाली कांग्रेस की सरकार बनवाने के लिए शायद हमने प्रयास ही नहीं किये। नेपाल की सरकार चीन के समर्थन में जो काम कर रही है उससे नेपाल की जनता में भी आक्रोश है। भारत का नेपाल के साथ रोटी-बेटी का रिश्ता है इसलिए भारत को जनता के स्तर पर वहां संवाद बढ़ाना होगा। लोकतंत्र में कोई भी सरकार जनता की भावना की अनदेखी नहीं कर सकती। हम नेपाली जनता का दिल जीत कर वहां चीन की साजिशों को विफल कर सकते हैं।

प्रश्न-5. साल 2023 की शुरुआत हो चुकी है। राजनीतिक रूप से तो यह साल महत्वपूर्ण है ही मगर रक्षा-सुरक्षा की दृष्टि को ध्यान में रखते हुए रणनीतिक रूप से किस तरह 2023 भारत के लिए महत्व रखता है और इस साल हमारे समक्ष रक्षा क्षेत्र से जुड़ी कौन-सी बड़ी चुनौतियां हैं?

उत्तर- रक्षा-सुरक्षा की दृष्टि से यह वर्ष काफी महत्व रखता है क्योंकि जिस तरह के वैश्विक हालात हैं वह दर्शा रहे हैं कि चुनौतियों के स्वरूप बदल रहे हैं। ऐसे में हम तकनीक के सहारे कितना अपने को आधुनिक बना पाते हैं यह देखने वाली बात होगी। क्योंकि आने वाले समय में युद्ध दिमाग से ज्यादा लड़े जाएंगे।

इनसाइड

'Congress का दूसरा नाम भ्रष्टाचार, कमीशन, जातिवाद', JP Nadda बोले- ये भाई को भाई से लड़ाते हैं

नड्डा ने कहा कि हमने जो वादा किया था, उसे पूरा किया। कर्नाटक की भाजपा सरकार ने राज्य के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी है। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस का काम भाई को भाई से लड़ाना, जिले को जिले से लड़ाना, प्रेदश को प्रदेश से लड़ाना, हर छोटी-बड़ी बात को बढ़ाने का काम कांग्रेस पार्टी करती है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा कर्नाटक के दौरे पर है। कर्नाटक के तुमकुरु में उन्होंने शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान नड्डा ने कांग्रेस पर निशाना साधा। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस का दूसरा नाम भ्रष्टाचार, कमीशन, जातिवाद है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारा मिशन सेवा करना है और इनका मिशन कमीशन लेना है। ये भाई को भाई से लड़ाते हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति करती थी। वे लोगों को जातियों और क्षेत्रों में बांटते थे। उन्होंने जातिवाद और वंशवादी राजनीति को बढ़ावा दिया। इसके साथ ही उन्होंने साफ कह दिया कि बीजेपी की राजनीति में जातिवाद और वंशवाद की राजनीति का कोई स्थान नहीं है। नड्डा ने कहा कि हमने जो वादा किया था, उसे पूरा किया। कर्नाटक की भाजपा सरकार ने राज्य के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी है। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस का काम भाई को भाई से लड़ाना, जिले को जिले से लड़ाना, प्रेदश को प्रदेश से लड़ाना, हर छोटी-बड़ी बात को बढ़ाने का काम कांग्रेस पार्टी करती है। जातिवाद को बढ़ावा देना, वंशवाद को प्रतिपादित करना, परिवारवाद को बढ़ाना, तुष्टिकरण को आगे बढ़ाना, कांग्रेस पार्टी यही काम करती रही है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा कि मैं आपसे 'सक्षम बूथ' बनाने का आग्रह करता हूं, और समाज के हर वर्ग को इसका हिस्सा बनना चाहिए। यदि आप समाज को एक करना चाहते हैं, तो हमें 'टिफिन मीटिंग' आयोजित करनी चाहिए, जहाँ हम एक दूसरे के घर का खाना खा सकें और एक हो सकें।

इन्वेस्टर्स सम्मिट-2023 में बोले मुख्यमंत्री योगी, आज कोई भी पूर्ण निश्चिंतता के साथ उत्तर प्रदेश में कर सकता है निवेश

एनटीवी संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुंबई में है। मुंबई में आज उन्होंने उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स ग्लोबल समिट में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने निवेशकों से उत्तर प्रदेश में निवेश की अपील भी की। अपने संबोधन में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में सबसे अच्छी उपजाऊ भूमि उत्तर प्रदेश में है। देश में कुल कृषि भूमि का 11% हिस्सा उत्तर प्रदेश के पास है। देश के कुल खाद्यान्न का 20% उत्पादन उत्तर प्रदेश करता है। इसके साथ ही उन्होंने साफ तौर पर कहा कि दुनिया के ऐसे कौन से सेक्टर है जिसकी संभावना यूपी के भीतर नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले 8 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इसके भीतर जो कार्य हुए हैं वह हम सबके सामने है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया के 75% ट्रेड, 85% GDP और 90% पेटेंट पर जिन देशों का अधिकार है, उन देशों का भारत को नेतृत्व करने का अवसर प्राप्त हो रहा है, यह हर भारतवासी के लिए गर्व की बात है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में आज कोई भी निवेशक पूर्ण निश्चिंतता के साथ निवेश कर सकता है। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास 96 लाख रजिस्टर्ड MSME यूनिट्स हैं। हमने विगत 05 वर्षों में 04 लाख करोड़ से अधिक के निवेश को धरातल पर उतारने में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उत्तर प्रदेश में अनंत संभावनाएं हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आपको व आपके निवेश को सुरक्षा की गारंटी देती है।

इससे पहले एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

योगी ने कहा था कि पांच साल पहले, देश-विदेश, कहीं पर भी उत्तर प्रदेश के लोग अपनी पहचान नहीं बताते थे, अपने पैतृक स्थान के बारे में बात तक नहीं करते थे। लेकिन अब राज्य के लोगों को यह कहने में गर्व महसूस होता हैं। उन्होंने कहा कि अब लोगों को (खुद को उत्तर प्रदेश का निवासी बताने पर) शर्म या झिझक नहीं होती है। इसके साथ ही योगी ने कहा कि यह मेरी सरकार द्वारा किए गए कार्यों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के कारण यह संभव हुआ।'' उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले पांच साल में हर क्षेत्र के लोगों के कल्याण के लिए काम किया है। भाजपा नेता ने कहा कि एक्सप्रेस-वे, हवाई संपर्क, मेट्रो और रेलवे नेटवर्क सहित तमाम बुनियादी ढांचे का विकास हुआ है।

BJP ने त्रिपुरा में चहुंमुखी विकास किया, उग्रवाद को खत्म किया : शाह

धर्मनगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि त्रिपुरा में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने उग्रवाद का सफाया कर पूर्वोत्तर राज्य में चहुंमुखी विकास किया है। यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति लोगों का अपार प्यार और विश्वास स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि त्रिपुरा में भारतीय जनता पार्टी फिर से सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा, "हमने एनएलएफटी (नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा) के साथ शांति वार्ता के माध्यम से उग्रवाद को खत्म किया और राज्य में आंतरिक रूप से विस्थापित ब्रू समुदाय को फिर से बसाया है।" गृह मंत्री आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राज्य सरकार की उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से भाजपा की दो 'रथ यात्रा' को हरी झंडी दिखाने के लिए त्रिपुरा में हैं। शाह ने कहा, "कभी मादक पदार्थों की तस्करी, हिंसा और बड़े पैमाने पर राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के लिए जाना जाने वाला त्रिपुरा अब विकास, उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे, खेल में उपलब्धियों, बढ़ते निवेश और जैविक खेती गतिविधियों के लिए जाना जाता है।

अब समुंद्र में भी गरजेगा राफेल, कांपेगा चीन, पाकिस्तान होगा ढेर

राफेल एम के सौदे को भारत और फ्रांस के संबंधों में मील का पत्थर करार दिया जा रहा है। रक्षा सूत्रों की मानें तो भारतीय नौसेना 26 राफेल एम विमानों के लिए फ्रांस के साथ अरबों डॉलर की डील करने वाली है।

फ्रांस और भारत के रिश्ते डील के बाद नई दिशा की ओर बढ़ते हुए नजर आ रहे हैं। पहले भारतीय सेना ने अपनी स्कवाडन के लिए राफेल को चुना था तो अब नौसेना ने भी राफेल को ही तरजीह दी है। फ्रेंच मीडिया की मानें तो मार्च में जब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों भारत की यात्रा पर आएंगे तो दोनों देशों के बीच ये डील साइन हो सकती है। राफेल फ्रेंच भाषा का शब्द है इसका शाब्दिक अर्थ है हवा का तेज झोंका। लेकिन चीन के लिए और वहां के राष्ट्रपति के लिए इसका अर्थ है मुसीबत का तेज झोंका और पाकिस्तान व उसके वजीर-ए-आला के लिए इसका अर्थ है डर का तेज झोंका। दिलचस्प बात ये है कि इस डील के लिए उसने अमेरिकी जेट एफए 19 सुपर हार्नेट को रिजेक्ट किया है। राफेल एम के सौदे को भारत और फ्रांस के संबंधों में मील का पत्थर करार दिया जा रहा है। रक्षा सूत्रों की मानें तो भारतीय नौसेना 26 राफेल एम विमानों के लिए फ्रांस के साथ अरबों डॉलर की डील करने वाली है।

आईएनएस विक्रांत पर तैनात होगा राफेल एम

राफेल बनाने वाली कंपनी डसॉल्ट एविएशन को भरोसा है कि राफेल एम भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस विक्रांत के लिए उपयुक्त होगा। राफेल एम का इस्तेमाल अभी भी ग्रीस, इंडोनेशिया और यूएई की सेनाएं कर रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय नौसेना ने अमेरिकी फाइटर जेट एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट को खारिज कर दिया है। दोनों लड़ाकू विमानों का इस साल की शुरुआत में नौसेना ने परीक्षण किया था। इस परीक्षण की एक विस्तृत रिपोर्ट दिसंबर में भारत के रक्षा मंत्रालय को सौंपी गई थी। दोनों लड़ाकू विमानों का परीक्षण गोवा के नौसैनिक अड्डे आईएनएस हंसा में किया गया।

भारतीय नौसेना में राफेल एम

भारतीय नौसेना का मानना है कि राफेल उसकी जरूरतों को काफी बेहतर तरीके से पूरा कर सकता है। भारतीय नौसेना 43 पुराने रूसी फाइटर जेट मिग-29K और मिग-29KUB को अपने बेड़े से हटाना चाहती है। नौसेना के दिमाग में कई विमानों के नाम थे लेकिन अंतिम रेस राफेल एम और एफ-18 के बीच थी। फ्रांसीसी नौसेना के पास वर्तमान में 240 राफेल एम जेट हैं। डसॉल्ट ने इन जेट्स का निर्माण वर्ष 1986 से शुरू किया था। दोनों जेट पहले से ही उन्नत विमान वाहक पर तैनात हैं। ऐसे में दोनों जेट CATOBARs सिस्टम से लैस एयरक्राफ्ट कैरियर के लिए फिट हैं। भारतीय नौसेना के पास वर्तमान में एक नया विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत और एक पुराना आईएनएस विक्रमादित्य है।

पूर्व मंत्री एवं समाजवादी पार्टी (सपा) नेता भगवत सरन गंगवार फरार घोषित

बरेली के नवाबगंज विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी केसर सिंह गंगवार और उनके साथियों से मारपीट और जान से मारने की नीयत से हमला करने के मामले में पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार समेत 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

बरेली। बरेली की एक विशेष अदालत ने मारपीट और जान से मारने की नीयत से हमला किए जाने के वर्ष 2017 के एक मामले में उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री एवं समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता भगवत सरन गंगवार समेत नौ अभियुक्तों को फरार घोषित कर दिया है। विशेष लोक अभियोजक औचित्य द्विवेदी ने बृहस्पतिवार को बताया कि फरवरी 2017 में बरेली के नवाबगंज विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी केसर सिंह गंगवार और उनके साथियों से मारपीट और जान से मारने की नीयत से हमला करने के मामले में पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार समेत 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। द्विवेदी के मुताबिक, गैर-जमानती वारंट जारी होने के बावजूद भगवत सरन गंगवार और आठ अन्य अभियुक्त अदालत में हाजिर नहीं हुए। अदालत के आदेश के बावजूद पुलिस उन्हें गिरफ्तार भी नहीं कर सकी। द्विवेदी के अनुसार, विशेष एमपी-एमएलए अदालत के न्यायाधीश देवाशीष ने बुधवार को इस मामले में भगवत सरन गंगवार तथा आठ अन्य अभियुक्तों-वीरपाल सिंह गंगवार, विनोद दिवाकर, अनिल गंगवार, योगेंद्र सिंह गंगवार, ओमेंद्र सिंह गंगवार, पुरुषोत्तम गंगवार, शेर सिंह गंगवार और सुधीर कुमार मिश्रा को फरार घोषित कर दिया। द्विवेदी ने बताया कि मामले की अगली सुनवाई 11 जनवरी को होगी। इस मामले में एक अभियुक्त गोपाल गुप्ता को जमानत मिल चुकी है। विशेष लोक अभियोजक ने बताया कि वर्ष 2021 में वादी तत्कालीन भाजपा विधायक केसर सिंह गंगवार का कोरोना वायरस संक्रमण से निधन होने के बाद पुलिस ने मामले में अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर दी थी। हालांकि, अदालत ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया था।